



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section I

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 225
No. 225।

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 3, 2012/आश्विन 11, 1934

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 3, 2012/ASVINA II, 1934

बाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(बाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 3 अक्टूबर, 2012

मध्यावधि समीक्षा

विषय : चीन जन.गण, और चीनी ताइपेई से केबल टाइज के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी की मध्यावधि समीक्षा-अंतिम जांच परिणाम।

फा. सं. 15/10/2011-डीजीएडी.—मामले की पृष्ठभूमि

यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम कहा गया है) और यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं का अभिज्ञान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे पाटनरोधी नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) ने पाटनरोधी शुल्क को निरंतर जारी रखने की जरूरत और इस बात की समीक्षा करने कि क्या सीमा-शुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार पाटनरोधी शुल्क की राशि में संशोधन करना अपेक्षित है, के लिए 4 अक्टूबर, 2011 को चीन जन. गण, और चीनी ताइपेई से केबल टाइज पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा शुरू की थी। यह स्पष्टीय है कि चीन जन. गण, और चीनी ताइपेई के मूल की या वहां से निर्यातित केबल टाइज के आयातों के खिलाफ मूल जांच 1 जनवरी, 2008 से शुरू की गई थी। संबद्ध देशों से केबल टाइज के आयातों पर प्राधिकारी के दिनांक 23 सितंबर, 2008 की 1 जनवरी, 2008 से शुरू की गई थी। संबद्ध देशों से केबल टाइज के आयातों के आधार पर 31 अक्टूबर, 2008 की सी.शु. अधिसूचना सं. 14-10-2007-डी जी ए डी के तहत जारी प्रारंभिक जांच परिणामों के आधार पर 31 अक्टूबर, 2008 की सी.शु. अधिसूचना सं. 118/2008-सी.शु. के तहत अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। अंतिम जांच परिणाम 31 मार्च, 2009 की अधिसूचना के तहत अधिसूचित किए गए थे और राजस्व विभाग ने 30 अप्रैल, 2009 की अधिसूचना सं. 44/2009 सी.शु. के तहत संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लागू किया था।

2. और यतः नियमों में प्राधिकारी से पाटनरोधी शुल्क के निरंतर जारी रखने की जरूरत की समय समय पर समीक्षा करने की अपेक्षा की गई है और यदि वह प्राप्त सकारात्मक सूचना के आधार पर इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि ऐसे शुल्क को निरंतर जारी रखने का कोई औचित्य

नहीं है तो वह केन्द्र सरकार से उसकी समाप्ति की सिफारिश कर सकता है। उपर्युक्त प्रावधान के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करते हुए मै. स्योरलॉक प्लास्टिक्स प्रा.लि. द्वारा दायर एक आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की जरूरत की पुष्टि की गई थी और संबद्ध वस्तु पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क में वृद्धि/संशोधन करने का अनुरोध किया गया था। घरेलू उद्योग ने उसके द्वारा प्रस्तुत कई आधारों के साथ यह अनुरोध किया कि वर्तमान स्वरूप में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से आयात कीमत में पर्याप्त वृद्धि हुई है और कृत्रिम स्तर पर इतनी वृद्धि हुई है कि आयात बैंचमार्क की निकटवर्ती कीमत पर सूचित किए जा रहे हैं ताकि कोई पाटनरोधी शुल्क का भुगतान न किया जा सके जिससे वर्तमान पाटनरोधी शुलक निष्प्रभावी बन गया है। इसके अलावा, यह तर्क दिया गया था कि निविष्टि कच्ची सामग्री की कीमत में अत्यधिक वृद्धि हुई है। निविष्टि कीमत में वृद्धि होने के कारण सामान्य मूल्य में भारी वृद्धि हुई है और उत्पाद का निर्यात पाटित कीमत पर किया जा रहा है। वर्तमान निर्यात कीमत पर पाटन मार्जिन काफी अधिक है। यह अनुरोध किया गया था कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है और आयातों की पहुंच कीमत क्षति रहित कीमत से काफी कम है। आयातों की वर्तमान पहुंच कीमत पर क्षति मार्जिन अत्यधिक सकारात्मक है। आगे यह अनुरोध किया गया था कि विनियम दर में भारी परिवर्तन हुआ है और ऐजूदा उपाय से पूर्व में पुष्टिकृत क्षति को समाप्त करने का लक्षित परिणाम हासिल नहीं हुआ है तथा पटन मार्जिन और क्षति मार्जिन दोनों अत्यधिक सकारात्मक हैं।

3. परिस्थितियों में यह परिवर्तन समीक्षा शुरू करने के लिए उचित माना गया था। 31 मार्च, 2009 की अधिसूचना सं. 14/10/2007-डी जी ए डी के तहत अधिसूचित अंतिम जांच परिणामों की समीक्षा करने का निर्णय लेने के बाद प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क को निरंतर लागू रखने और इस बात की जरूरत की समीक्षा करने कि क्या सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार पाटनरोधी शुल्क के स्वरूप और मात्रा में परिवर्तन अपेक्षित है, के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9 क(5) के उपबंधों के अंतर्गत 4 अक्टूबर, 2011 को जांच की शुरूआत की।

प्रक्रिया

4. इस जांच के बारे में निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है।

5. समीक्षा की शुरूआत के बाद प्राधिकारी ने संगत सूचना मांगने के लिए नियम 6(4) के अनुसार संबद्ध देशों में समस्त ज्ञात उत्पादकों और/अथवा निर्यातकों को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना के साथ प्रश्नावलियों भेजी।

क्र.सं.	कॉर्पनी का नाम	देश
1	हुआ वेर्ड इंडस्ट्रीयल कं.लि. (गोटोक)	चीन जन.गण.

2	(योइकिंग) गडलिन (हुआक्सिन) इलैक्ट्रिक अपार्टमेंट फैक्टरी	चीन जन.गण.
3	पावर इंडस्ट्री पार्ट बुक इंटरप्राइजेज	चीन जन.गण.
4	को-टेलेंट एन लिमिटेड (सी टी एन एल)	चीन जन.गण.
5	कोयो प्लास्टिक्स मैन्युफैक्चरिंग कं. लि.	चीन जन.गण.
6	झेजियांग मीटसे कं. लि.	चीन जन.गण.
7	येइंगिंग क्वीलिंगांग मैन्युफैक्चरर्स कं. लि	चीन जन.गण.
8	वेनझोऊ योंगजी इलैक्ट्रिक एक्यूपमेंट	चीनी ताइपेई
9	वी.वाई. केबल्स एसोसिएज कं. लि.	चीनी ताइपेई
10	कई सुन सुन एन्टरप्राइजेज कं. लि.	चीनी ताइपेई
11	गेनटोक 1, तेझुंग	चीनी ताइपेई
12	एवीसी, काओस्यूइंग सिटी	चीनी ताइपेई

6. मै. चांग होंग प्लास्टिक्स ग्रुप कंपनी लि., जो चीन जन.गण. में संबद्ध वस्तु का उत्पादक तथा निर्यातक है, ने निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है । संबद्ध देशों के किसी अन्य निर्यातक ने उत्तर नहीं दिया है ।

7. नियम 6(2) के अनुसार नई दिल्ली स्थित चीन के दूतावास और चीनी ताइपेई सांस्कृतिक केन्द्र को इस अनुरोध के साथ जांच की शुरूआत के बारे में सूचित किया गया था कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें ।

8. नियम 6(4) के अनुसार, आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों/उपभोक्ताओं और औद्योगिक प्रयोक्ताओं को संगत प्रश्नावलियां भेजी गई थीं ।

क्र.सं.	कंपनी का नाम
1	कृष्ण इलेक्ट्रोनिक्स, कोलकाता
2	आनंदी इंटरनेशनल, कोलकाता
3	मल्टी इम्पैक्स, चेन्नई
4	पी एस इंटरप्राइजेज, कोलकाता
5	सुमाती चंद बोथरा, कोलकाता
6	वायर एंड केबल कारपोरेशन, नई दिल्ली
7	चौधरी इंटरनेशनल, दिल्ली
8	बी.बी. कारपोरेशन, चेन्नई
9	हीरावत भार्केटिंग सर्विसेज, कोलकाता
10	जितेन्द्र कुमार मोदी, कोलकाता
11	शान इंटरप्राइजेज, मुंबई
12	कृष्ण कामर्शियल कार्पो., चेन्नई
13	पाडव इंटरप्राइजेज, वडोदरा
14	मोदी इंडस्ट्रीयल इंटरफेस, बंगलौर

9. तथापि, उपर्युक्त में से किसी भी पक्षकार ने निर्धारित प्रपत्र और ढंग से प्रश्नावली का कोई उत्तर दायर नहीं किया है ।

10. जांच की कार्रवाई के दौरान हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों और प्रदत्त सूचना/साक्ष्य पर प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच से संगत समझी गई सीमा तक समुचित विचार किया गया है।

11. यह जांच 1.4.2010 से 3.3.2011 तक की अवधि (जांच अवधि) के लिए की गई थी। तथापि, क्षति जांच वर्ष 2007-08 से जांच अवधि की समाप्ति तक की अवधि के लिए की गई थी।

12. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस), कोलकाता से अनुरोध किया गया था कि वह जांच अवधि और पूर्ववर्ती तीन वर्षों के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरों की व्यवस्था करे। डी जी सी आई एंड एस से सूचना प्राप्त हो गई थी जिसकी भी प्राधिकारी ने जांच की है।

13. प्राधिकारी ने आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रतियां उपर्युक्त नियम 6(3) के अनुसार ज्ञात उत्पादकों और/अथवा निर्यातकों, चीन के दूतावास तथा चीनी ताइपेई सांस्कृतिक केन्द्र के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई थीं। अगोपनीय आवेदन की एक प्रति अनुरोध किए जाने पर अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी उपलब्ध कराई गई थी।

14. निर्यातक का उत्तर चीन जन.गण. के एक निर्यातक मै. चांगहोंग प्लास्टिक्स ग्रुप कंपनी द्वारा प्राप्त हुआ है। तथापि, चीनी ताइपेई में संबद्ध वस्तु के किसी निर्यातक या उत्पादक से जांच शुरूओं संबंधी अधिसूचना का कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ था।

15. नियम 6(6) के अनुसार, मौखिक रूप से संगत सूचना प्रस्तुत करने हेतु हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान करने के लिए प्राधिकारी ने 5 मार्च, 2012 को एक मौखिक सुनवाई आयोजित की थी। मौखिक सुनवाई में उपस्थित होने वाले पक्षकारों को मौखिक रूप से प्रस्तुत सूचना के लिखित अनुरोध दायर करने की सलाह दी गई थी। हितबद्ध पक्षकारों को अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत विचारों/सूचना के बारे में खंडनात्मक तर्क देने की अनुमति प्रदान की गई थी। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त अनुरोधों पर समुचित विचार किया है।

16. जांच के दौरान प्राधिकारी ने प्रदत्त सूचना की तथ्यात्मकता और पर्याप्तता के बारे में स्वयं को सतुष्ट किया। उक्त प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने संगत और आवश्यक समझी गई सीमा तक घरेलू उद्योग तथा उत्पादकों/निर्यातकों का मौके पर सत्यापन किया। घरेलू उद्योग से क्षति के बारे में अतिरिक्त/पूरक ब्यौरे मांगे गए थे जो प्राप्त भी हो गए थे।

17. उपर्युक्त नियमावली के नियम 16 के अनुसार इस जांच परिणाम हेतु विचारित आवश्यक तथ्यों/आधार का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को किया गया था और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर भी इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है। प्रकटन विवरण जारी होने के बाद घरेलू उद्योग और चीन जन गण के प्रतिवादी निर्यातक अर्थात् मै. सी एच एस से टिप्पणियां प्राप्त हुई हैं। इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई टिप्पणियों की जांच इस अंतिम जांच परिणामों के उचित शीर्षों में की गई है।

18. नियम 6(7) के अनुसार प्राधिकारी ने रखी गई सार्वजनिक फाइल के जरिए हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण हेतु खुला रखा ।

19. सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) और आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की ईष्टतम उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत निकालने के लिए लागत जांच की गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।

20. जांच की कार्रवाई के दौरान जहां किसी हितबद्ध पक्षकार ने आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है या उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है या जांच में अत्यधिक बाधा डाली है वहां प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपना विश्लेषण दर्ज किया है ।

21. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी । संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता प्रदान की है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार को यह निर्देश दिया गया था कि वह गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराए ।

22. *** यह चिन्ह हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना को द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमों के अंतर्गत उसे गोपनीय ही माना है ।

विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

23. मूल जांच और वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच में शामिल उत्पाद "केबल टाईज" है । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई मूल जांच के अनुसार यह उत्पाद निम्नानुसार परिभाषित किया गया है । वर्तमान समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वही है ।

"वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद केबल टाईज हैं । केबल टाईज में एकीकृत गियर लॉफ के साथ मजबूत नायलोन टेप और दूसरे छोर पर एक खुले खांचे के भीतर एक रेचिट होता है । यह केबल/वॉयर वंचिंग प्रणालियों का किफायती और कुशल तरीका है । केबल टाईज को कई नामों अर्थात् मोचनीय या अमोचनीय (पुनः प्रयोज्य) टैगों, स्ट्रैपों, जिप टाईज, टाइरैप, रैप बेल्ट आदि नामों से जाना जाता है और इनका उत्पादन एवं बिक्री कांटा या भारी वैज नहीं होते हैं । जब अमोचनीय केबल टाई को खींचा जाता है तो यह वापस खींचने से निवारित करती है जिससे जोर से ही खिंचाई की जा सकती है । केबल

टाईज आम तौर पर एकल प्रयोग की युक्तियां होती हैं। तथापि, पुनः प्रयोज्य केबल टाईज का उत्पादन भी ग्राहकों की मांग के अनुसार किया जाता है।"

ग.1 आयातकों, उपभोक्ताओं, निर्यातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

24. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तुओं के बारे में किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक और अन्य हितबद्ध पक्षकार ने कोई टिप्पणी या अनुरोध दायर नहीं किए हैं।

ग.2 घरेलू उद्योग के विचार

25. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद केबल टाईज है। केबल टाईज को आम तौर पर एकल प्रयोग की युक्तियां माना जाता है। तथापि, यदि किसी आबद्ध लूप को पुनः खोलने की जरूरत होती है तो केबल टाई को काटकर नष्ट करने की अपेक्षा उक्त केबल टाई का पुनः प्रयोग करने के लिए रैक से रेचिट का मोचन संभव हो सकता है। हालांकि कुछ केबल टाईज को ऐसी टेबल के साथ पुनः प्रयोग हेतु तैयार किया जाता है जो रेचिट का मोचन करती है। तथापि, अधिकांश मामलों में रेचिट और रैक के बीच सिलाई की सुई या ऐसी ही वस्तु (उदाहरणार्थ छोटा पेचकश) को लगाने की जरूरत होगी। विचाराधीन उत्पाद का अत्यधिक प्रयोग प्लास्टिक बैगों को बांधने के लिए विभागीय स्टोरों में किया जाता है। केवल टाईज का उत्पादन और बिक्री विभिन्न लंबाई, चौड़ाई और मोटाई में की जाती है। इन्हें कई नामों से जाना जाता है। तथापि, सामान्य तौर पर उनका उल्लेख अमोचनीय, मोचनीय (पुनः प्रयोज्य) टैग टाइप, मोचनीय (पुनः प्रयोज्य) टैग टाइप डबल लॉक टाइप आदि और ऐसी ही किस्मों के रूप में किया जाता है। केबल टाईज सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 39 सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के उपशीर्ष 39269010 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

26. मूल जांच और वर्तमान मध्यावधि समीक्षा जांच में शामिल उत्पाद "केबल टाइज" है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई मूल जांच के अनुसार यह उत्पाद निम्नानुसार परिभाषित किया गया है। वर्तमान समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद का क्षेत्र वही है।

वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पाद केबल टाइज हैं। केबल टाईज में एकीकृत गियर लॉक के साथ मजबूत नायलोन टेप और दूसरे छोर पर एक खुले खांचे के भीतर एक रेचिट होता है। यह केबल/वॉयर वंचिंग प्रणालियों का किफायती और कुशल तरीका है। केबल टाइज को कई नामों अर्थात् मोचनीय या अमोचनीय (पुनः प्रयोज्य) टैगों, स्ट्रैपों, जिप टाईज, टाइरैप, रैप बेल्ट आदि नामों से जाना जाता है और इनका उत्पादन एवं बिक्री ग्राहकों की न्यूरत के अनुसार अलग-अलग आकारों में की जाती है। केवल टाईज यन-

पीस मोल्डेड मकेनिज्म होती हैं जिनमें बंधन या सेल्फ लॉकिंग युक्ति वाला धातु का कोई कांटा या भारी वैज नहीं होते हैं। जब अमोचनीय केबल टाई को खीचा जाता है तो यह वापस खीचने से निवारित करती है जिससे जोर से ही खिचाई की जा सकती है। केबल टाईज आम तौर पर एकल प्रयोग की युक्तियां होती हैं। तथापि, पुनः प्रयोज्य केबल टाईज का उत्पादन भी ग्राहकों की मांग के अनुसार किया जाता है। वर्तमान मध्यावधि समीक्षा में विचाराधीन उत्पाद वही है जैसा कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती जांचों में माना गया है।

27. केबल टाईज सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 39.26 के उप शीर्ष 3926.9010 के अंतर्गत वर्गीकृत है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के द्वायरे और प्रस्तावित उपायों पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

28. याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है और इसलिए ये पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अर्थ के भीतर समान वस्तुएं हैं। यह उल्लेख किया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिदेशन, कीमत, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के संबंध में संबद्ध देशों से आयातित वस्तु से तुलनीय है। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इनमें अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हैं। यह दावा किया गया है कि उपभोक्ताओं ने दोनों का अदल-बदल कर उपयोग किया है।

29. प्रतिवादी निर्यातकों ने याचिकाकर्ता के दावे तथा इस बारे में निर्दिष्ट प्राधिकारी के पूर्ववर्ती निर्धारण का खंडन करते हुए कोई अनुरोध नहीं किया है।

30. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि समान वस्तु से तात्पर्य एक ऐसी वस्तु से है जो जांचाधीन उत्पाद से हर तरह से समनुरूप या समान है अथवा ऐसे किसी वस्तु के अभाव में ऐसी अन्य वस्तु से है जिसमें जांचाधीन वस्तुओं से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हों।

31. विधिवत जांच के बाद प्राधिकारी ने यह माना है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित केबल टाईज में संबद्ध देशों से आयातित केबल टाईज के समान विशेषताएं हैं। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा की गई जांच से दोनों उत्पादों में कोई अंतर प्रदर्शित नहीं हुआ है। इस बात को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित केबल टाईज नियमावली के अर्थ के भीतर संबद्ध देशों से आयातित केबल टाईज के समान वस्तु है।

घ. घरेलू उद्योग

32. यह याचिका मै. स्पौरलॉक प्लास्टिक्स प्रा. लि. द्वारा दायर की गई थी। देश में केबल टाईज के तीन अन्य उत्पादक मै. ब्लैक बर्न एंड कंपनी प्रा.लि., मै. नोवो फ्लैक्स मार्किंग और मै. फ्लूकॉन एंटरप्राइजेज हैं। हालांकि मै. ब्लैक बर्न एंड कंपनी प्रा.लि. ने याचिका का समर्थन किया

है। तथापि, याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि मै. नोवो फ्लैक्स मार्केटिंग और मै. फ्लूकॉन एंटरप्राइजेज ने उत्पादन बंद कर दिया है।

घ.1 घरेलू उद्योग के विचार

33. मै. ब्लौक बर्न एंड कंपनी प्रा.लि. ने याचिका का समर्थन किया है। इसके अलावा मै. नोवो फ्लैक्स मार्केटिंग और मै. फ्लूकॉन एंटरप्राइजेज ने उत्पादन बंद कर दिया है। इस प्रकार याचिकाकर्ता का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है। अतः याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमों के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है।

घ.2 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

34. किसी भी आयातक, उपभोक्ता, निर्यातक या अन्य हितबद्ध पक्षकार ने याचिकाकर्ता के आधार और घरेलू उद्योग के रूप में उसे माने जाने के बारे में कोई टिप्पणी या अनुरोध नहीं किया है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

35. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नानुसार परिभाषित है।

"(ख) "घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाठित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ शेष उत्पादकों के उल्लेख के रूप में निकाला जाएगा।"

36. समीक्षा जांच की शुरुआत नियमावली के नियम 23 के अनुसार मै. स्पोरलॉक प्लास्टिक्स प्रा.लि., मुंबई द्वारा प्रस्तुत विधिवत पुष्टिकृत अनुरोध के आधार पर की गई है। याचिकाकर्ता ने बताया है कि भारत में संबद्ध वस्तु के तीन अन्य उत्पादक मै. ब्लौक बर्न एंड कंपनी प्रा.लि., मै. नोवो फ्लैक्स मार्केटिंग और मै. फ्लूकॉन एंटरप्राइजेज हैं। मै. ब्लौक बर्न एंड कंपनी प्रा.लि. ने याचिका का समर्थन किया है। तथापि, कंपनी ने क्षति निर्धारण से संगत सूचना प्रदान नहीं की है। याचिकाकर्ता का यह दावा अखंडित रहता है कि मै. नोवो फ्लैक्स मार्केटिंग और मै. फ्लूकॉन एंटरप्राइजेज ने उत्पादन बंद कर दिया है। इन कंपनियों ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है।

37. याचिकाकर्ता के दावे और स्थिति का खंडन करते हुए किसी हितबद्ध पक्षकार से कोई टिप्पणी प्राप्त नहीं हुई है। जांच से यह पता नहीं चला है कि आवेदक आधार की अपेक्षा को पूरा

नहीं करता है अथवा आवेदक घरेलू उद्योग नहीं है। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से इस बात की पुष्टि होती है कि याचिकाकर्ता का उत्पादन भारतीय उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है और किसी अन्य भारतीय घरेलू उत्पादक ने अवसर प्रदान करने के बावजूद संगत सूचना प्रदान नहीं की है। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि याचिकाकर्ता उपर्युक्त नियमावली के नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग है।

घ.4 अन्य मुद्दे

38. जांच की कार्रवाई के दौरान डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आंकड़ों की जांच और विश्लेषण किया गया था। यह नोट किया जाता है कि डी जी सी आई एंड एस द्वारा सूचित आयात की मात्रा आई बी आई एस की तुलना में काफी कम है। अतः प्राधिकारी ने अपने विश्लेषण और निर्धारण हेतु आई बी आई एस के आंकड़ों पर विचार किया है। आई बी आई एस तथा डी जी सी आई एंड एस की तुलना नीचे दी गई है।

2010-11	डीजीसीआईएस			आईबीआईएस		
	मात्रा मी.ट	मूल्य लाख रुपए	कीमत रुपए किग्रा.	मात्रा मी.ट	मूल्य लाख रुपए	कीमत रुपए किग्रा.
चीन	410	1,010.7 5	246	649	1,688.79	260
ताईवान	172	393.82	229	428	1,151.37	269
संबद्ध देश	582	1,404.5 7	241	1,077	2,840.16	264
अन्य देश	156	473.04	302	30	66.66	224
कुल आयात	739	1,877.6 1	254	1,107	2,906.82	263

प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे निम्नानुसार हैं:-

39. यह अनुरोध किया गया है कि समीक्षा की शुरूआत नियम 23 में यथापेक्षित परिवर्तित परिस्थितियों को न्यायोचित ठहराने हेतु अन्याप्त सूचना के आधार पर की गई है। पहली दो याचिकाओं में ऐसी कोई सूचना निहित नहीं थी जिससे परिस्थितियों में परिवर्तन का पता चलता हो। यह तीसरी याचिका दायर की गई है जिसमें परिवर्तित परिस्थितियों हेतु कारकों के बारे में सूचना दी गई है।

40. यह भी अनुरोध किया गया है कि मौखिक सुनवाई के दौरान सौंपी गई पुस्तिका में आगे और संशोधित क्षति विवरण निहित था। यह भी अनुरोध किया गया है कि प्रपत्र IV-क से यह पता चलता है कि जांच अवधि के 5 माह के भीतर आंकड़ों की पुष्टि नहीं की गई थी ताकि प्रस्तुत किए गए सही और पर्याप्त आंकड़ों के रूप में उन्हें न्यायोचित ठहराया जा सके।

41. दिशा निर्देशों में किए गए प्रावधानों के अनुसार घरेलू बिक्री हेतु कीमत सूचियों वास्तविक बीजक जैसा साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया गया है। नियम 23 में उल्लिखित "सकारात्मक सूचना" परिवर्तित परिस्थितियों के प्रदर्शन के साथ अनिवार्यतः स्वीकार्य होनी चाहिए।

42. मूल जांच की तुलना में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में भारी गिरावट आई है।

43. पहली दो याचिकाओं में प्रदत्त आंकड़े पूर्णतः रिक्त छोड़े गए थे और उनकी गोपनीयता का कोई कारण नहीं दिया गया था। अद्यतित याचिका में भी क्षति संबंधी सूचना को इतना अधिक गोपनीय रखा गया है कि मांग और बाजार हिस्से जैसे मूलभूत कारक को भी गोपनीय माना गया है।

44. विनिमय दर में परिवर्तन के कारण आयात कीमत प्रभावित हुई है परंतु इसे मध्यावधि समीक्षा शुरू करते समय एक प्रत्यक्ष मुद्दा नहीं माना जा सकता। विनिमय दरों से संबंधित किसी नीतिगत निर्णय का पाटन की परिवर्तित परिस्थितियों से कहीं भी कोई संबंध नहीं होता है। यदि घरेलू उद्योग का शुल्क के स्वरूप से सरोकार था तो उसे सेस्टेट के समक्ष अपील दायर करनी थी।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

45. घरेलू उद्योग ने अम.डा. में व्यक्त पाटनरोधी शुल्क की विशिष्ट/नियत मात्रा का अनुरोध किया था। घरेलू उद्योग के अनुरोध के बावजूद शुल्क के परिवर्तनीय स्वरूप की सिफारिश की गई थी जो कारगर नहीं थी।

46. कच्ची सामग्री की कीमत में हुई अत्यधिक वृद्धि से लागत में बढ़ोत्तरी होने के कारण निर्यात कीमत में वृद्धि हुई है। तथापि, संदर्भ कीमत वही रहती है और इसलिए पाटनरोधी शुल्क सर्वथा निष्प्रभावी बन गया है।

47. वर्तमान स्वरूप में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से आयात कीमत में रातोंरात भारी वृद्धि हुई है और कृत्रिम वृद्धि इतनी अधिक हुई है कि आयातों की सूचना बैंचमार्क से निकटतम कीमत पर दी गई है ताकि किसी पाटनरोधी शुल्क का भुगतान न किया जाए।

48. उत्पाद का आयात अत्यधिक पाटित कीमतों पर जारी है। जांच अवधि के बाद मात्रा में भारी वृद्धि हुई है।

49. मै. चांगहोंग प्लास्टिक कंपनी लिमिटेड का प्रश्नावली के उत्तर के अगोपनीय रूपांतरण का अनुरोध केवल औपचारिकता के रूप में किया गया है। इस उत्तर में वस्तुतः सभी सूचनाओं को गोपनीय रखा गया है जिससे याचिकाकर्ता प्रभावी अनुरोध करने से बचित हुआ है और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन हुआ है।

50. मै. चांगहोंग प्लास्टिक कंपनी लिमिटेड की स्थापना वर्ष 1980 में की गई थी और उसी समय सीमा में स्थापित प्रत्येक कंपनी चीन की सरकार के नियंत्रण में थी। अतः प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह एम ई टी दावे को अस्वीकार कर दें।

51. कंपनी के नाम में मात्र परिवर्तन का अर्थ यह नहीं है कि कंपनी अब चीन के सरकार के हस्तक्षेप से मुक्त है।

52. केबल टाईज सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, के अध्याय 39 के उप शीर्ष 39269010 के अंतर्गत वर्गीकृत है तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

53. भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से निर्यातित केबल टाईज में कोई खास अंतर नहीं है।

54. यह याचिका मै. स्यौरलॉक प्लास्टिक्स प्रा. लि. द्वारा दायर की गई है जो भारत में संबद्ध वस्तु का एक बड़ा उत्पादक है। देश में केबल टाईज के चार अन्य उत्पादक हैं। मै. ब्लैक बर्न एंड कंपनी प्रा.लि. ने याचिका का समर्थन किया है। इसके अलावा मै. नोवो फ्लैक्स मार्केटिंग और मै. फ्लूकॉन इंटरप्राइजेज ने उत्पादन बंद कर दिया है।

55. याचिकाकर्ता ने चीन और ताईवान हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया है।

56. दोनों संबद्ध देशों के मामले में पाटन मार्जिन न केवल अधिक है अपितु अत्यधिक है।

57. आयातित उत्पाद और घरेलू उत्पाद की कीमत में वर्तमान और संभावित अंतर काफी अधिक है और इसलिए आयात हेतु मांग बढ़ने की संभावना है।

58. अत्यधिक कीमत अंतर और आयातों में परिणामी संभावित वृद्धि का घरेलू कीमतों पर अत्यधिक न्यूनकारी प्रभाव पड़ रहा है।

59. संबद्ध निर्यातकों के पास मुक्त रूप से निपटान योग्य अत्यधिक क्षमता है जिससे भारतीय बाजार को पाटित निर्यातों में भारी वृद्धि होने की संभावना है।

60. संबद्ध उत्पाद से जुड़ी पूर्ववर्ती सभी जांचों में पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है।

61. पाटनरोधी शुल्क शामिल किए जाने के बाद भी आयातों की पहुंच कीमत के साथ घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती विद्यमान है।

62. पाटित आयातों की सतत मौजूदगी से घरेलू उद्योग पाटन के विगत प्रभावों से उबरने से वंचित हुआ है। पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को या तो

पाटनरोधी शुल्क की राशि की बिक्री कीमत घटानी होगी या वर्तमान बिक्री कीमत बनाए रखनी होगी। दोनों ही मामलों में उसे वास्तविक क्षति होगी।

63. जांच की शुरूआत के समय अपेक्षा "जांच की शुरूआत को अपेक्षित बताने वाला साक्ष्य" की होती है। आवेदनजांच की शुरूआत के लिए अपेक्षित होता है न कि निर्धारण के लिए। इसके अलावा यह कानून का निर्धारित सिद्धांत है कि पाटनरोधी जांच वह होती है जिसमें जांच की शुरूआत के साथ साक्ष्यों की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार होता है।

64. आंकड़ों के परिवर्तन में शामिल जटिलताओं के कारण याचिकाकर्ता ने आई बी आई एस से प्राप्त केवल वही आयात आंकड़ों से सौदे लिए हैं जिनमें भार का उल्लेख किया गया था और अन्य आयातों की अनदेखी की है।

65. किसी समीक्षा जांच में सकारात्मक पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की मौजूदगी से ही मापदंडों में पर्याप्त परिवर्तन का पता चलता है जिससे समीक्षा जांच अपेक्षित हो जाती है।

66. प्राधिकारी ने प्रतिवादी निर्यातक के अनुरोध की जांच की है और उन्होंने निम्नानुसार माना है।

67. प्राधिकारी यह मानते हैं कि याचिका में मध्यावधि समीक्षा की शुरूआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त सूचना और साक्ष्य निहित थे। यह भी नोट किया जाता है कि समीक्षा शुरू करने के लिए "समीक्षा की जरूरत की पुष्टि करने वाली सकारात्मक सूचना" पर्याप्त होती है। याचिका में समीक्षा का आधार बनाते हुए निर्धारण करने के लिए अपेक्षित सूचना प्रस्तुत करनी जरूरी नहीं होती है।

68. यह नोट किया जाता है कि याचिकाकर्ता ने तीन याचिकाएं दावर नहीं की थीं। याचिकाकर्ता ने मध्यावधि समीक्षा हेतु निर्धारित प्रपत्र के अनुसार याचिका दावर की थी। याचिका की जांच के दौरान प्राधिकारी ने कुछ सूचना मांगी थी जिसे याचिकाकर्ता ने प्रस्तुत कर दिया था। जांच की शुरूआत के बाद प्राधिकारी ने जांच से संगत सूचना प्रदान करने के लिए याचिकाकर्ता और अन्य भारतीय उत्पादकों को पत्र लिखे। अतः याचिकाकर्ता ने विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु, घरेलू उद्योग के क्षेत्र, पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में विस्तृत सूचना प्रदान की जिसके लिए याचिकाकर्ता ने प्राधिकारी द्वारा निर्धारित आवेदन प्रपत्र की विषय चस्तु का उपयोग किया। तथापि, यह नियम 23 के अर्थ के भीतर "याचिका" नहीं है। यह नियम 5 के अर्थ के भीतर याचिकाकर्ता/घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना है।

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ती है, साक्ष्य की गुणवत्ता और मात्रा में सुधार होता है। इसके अलावा, जांच की शुरूआत के बाद वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा से वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा द्वारा अपेक्षित वित्तीय स्थिति में परिवर्तन हो सकता है।

70. जहां तक घरेलू बिक्री हेतु कीमत सूचियों, वास्तविक बीजकों के रूप में साक्षों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि ऐसी सूचना सार्वजनिक क्षेत्र में नहीं है और उसने इस सूचना के बारे में गोपनीयता का दावा किया है।

71. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में गिरावट आई है और इसीलिए पाटनरोधी शुल्क अपेक्षित उद्देश्य की पूर्ति कर रहा है, याचिकाकर्ता द्वारा आवेदन की जांच करने के बाद यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने पाटनरोधी शुल्क को निरंतर लागू रखने और इस बात की जरूरत की समीक्षा करने कि क्या सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार पाटनरोधी शुल्क के स्वरूप और मात्रा में परिवर्तन अपेक्षित है, के लिए पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के साथ पठित यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1995 की धारा 9 क(5) के उपबंधों के अंतर्गत 4 अक्टूबर, 2011 को जांच की शुरूआत की थी।

72. जहां तक याचिका में अपर्याप्त प्रकटनों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि निर्यातक के तर्क की जांच की गई थी और याचिकाकर्ता को सूचना का समुचित प्रकटन करने का निर्देश दिया गया था। याचिकाकर्ता ने इस निर्देश का पालन किया और पर्याप्त प्रकटन वाला संशोधित अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिका के संशोधित अगोपनीय रूपांतरण में कानून के अनुसार पर्याप्त प्रकटन निहित है।

73. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि विनिमय दर में परिवर्तन से मध्यावधि समीक्षा को न्यायोचित नहीं ठहराया जा सकता। यह नोट किया जाता है कि विनिमय दर में परिवर्तन से निर्यात कीमत, पहुंच कीमत और कच्ची सामग्री तथा क्षति रहित कीमत में परिवर्तन हो सकता है। अतः विनिमय दर में परिवर्तन के परिणामस्वरूप पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन दोनों में परिवर्तन हो सकता है।

74. जहां तक शुल्क के स्वरूप और आरोपित अधिक कीमत का बीजक बनाए जाने का संबंध है, प्राधिकारी ने यह निर्णय लेने के लिए वर्तमान मामले के तथ्यों पर विचार किया है कि क्या उपाय के स्वरूप में संशोधन करना अपेक्षित है।

ड पाटन मार्जिन

75. धारा 9 क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है :

- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में सामान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उपनियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति

अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा :-

(क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा

(ख) उपधारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;

ड1 घरेलू उद्योग के विचार

76. इस संबंध में घरेलू उद्योग के विचार निम्नानुसार हैं :-

- i. चीन को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए। चीन के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार किया जाना चाहिए।
- ii. याचिकाकर्ता ने ताईवान के लिए सामान्य मूल्य का दावा विधिवत समायोजित भारत में उत्पादन लागत के आधार पर किया है क्योंकि ताईवान के किसी भी निर्यातक ने वर्तमान जांच का उत्तर नहीं दिया है और न ही कोई अन्य भरोसेमंद सूचना उपलब्ध है।
- iii. पाटनरोधी शुल्क के भुगतान से बचने के लिए आयात कीमत में कृत्रिम बढ़ोत्तरी की गई है। इसके अलावा, याचिकाकर्ता ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह वित्त मंत्रालय के साथ इस बात की जांच करें कि क्या सीमाशुल्क पत्तन प्राधिकारियों ने आयात कीमत की वार्तविकता और सत्यता का सत्यापन करने के लिए वाकई कोई कदम उठाया है। याचिकाकर्ता का मानना है कि आयात कीमत में वृद्धि पूर्णतः कृत्रिम है और इसका उद्देश्य पाटनरोधी शुल्क के भुगतान से बचना है।

ड2. चांगहोंग प्लास्टिक्स के विचार

77. इस संबंध में प्रतिवादी निर्यातक के विचार निम्नानुसार हैं :-

- i. घरेलू उद्योग ने निर्यात कीमत का निर्धारण सौदेवार निर्यात आंकड़ों पर भरोसा करते हुए भारित औसत आधार पर किया है। प्रदत्त निर्यात आंकड़ों से माप की अलग-अलग इकाइयों में आयात मात्रा का पता चलता है। चूंकि माप की इकाइयों में कोई एकरूपता नहीं है, इसलिए यह अस्पष्ट है कि आंकड़ों का मूलनकीकरण करने और पाटन मार्जिन की गणना करने के लिए कौन से फार्मूले का प्रयोग किया गया है।
- ii. आयात आंकड़ों में संबद्ध देश अर्थात् ताईवान की अनदेखी की गई है। इसके अलावा, इनमें बैगों, बंडलों, दर्जनों, नगों आदि में संबद्ध देशों द्वारा किए गए आयातों की भी अनदेखी की गई है। अतः स्वयं याचिकाकर्ता द्वारा भरोसा किए जा रहे आयात के आंकड़े त्रुटिपूर्ण और अधूरे हैं।

उ३. प्राधिकारी द्वारा जांच

78. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि आयात के आंकड़े माप की विभिन्न इकाइयों में प्रस्तुत किए गए हैं और उनका परिवर्तन स्पष्ट नहीं है। यह स्पष्ट किया जाता है कि जांच अवधि में अधिकांश सौदे (मूल्यानुसार 90%) सीमाशुल्क निकासी हेतु भार आधार पर सूचित किए गए थे और इसलिए इन सौदों में भार में कोई परिवर्तन अपेक्षित नहीं थी। इसके अलावा, प्रतिवादी निर्यातक ने भारत आधार पर वस्तु का बीजक तैयार किया है और भारत आधार पर सूचना प्रदान की है।

चांगहोंग प्लास्टिक्स ग्रुप कंपनी लि. के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जांच

79. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पिछले तीन वर्षों में डब्ल्यू टी ओ के अन्य सदस्यों द्वारा पाटनरोधी जांचों में चीन जन गण को गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है। अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8(2) के अनुसार चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना गया है जो प्रारंभिक निर्धारण के प्रयोजनार्थ उपर्युक्त नियमों के अनुसार निर्यातक देश या अलग-अलग निर्यातकों द्वारा उपर्युक्त अनुमान के खंडन के अधीन है।

80. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान का उस स्थिति में खंडन किया जा सकता है यदि चीन के निर्यातक (निर्यातकों) द्वारा पैराग्राफ 8 के उप पैरा(3) में विनिर्दिष्ट मानदंडों के आधार पर सूचना और पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराते हैं और उसके विपरीत सिद्ध करते हैं। चीन जन.गण. के संबद्ध वस्तु के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी व्यवहार विषयक प्रश्नावली के उत्तर में पैरा 8 के उप पैरा (3) में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करना अपेक्षित है ताकि निर्दिष्ट प्राधिकारी निम्नलिखित मापदंडों पर विचार कर सकें कि क्या :-

(क) कच्ची सामग्रियों सहित कीमत; लागत और निविष्टि तथा श्रम लागत, उत्पादन, विक्रियां और निवेश के बारे में चीन जन.गण. में संबंधित फर्मों का निर्णय ऐसे

बाजारी संकेतों के अनुसार किया जाता है जिसमें आपूर्ति और मांग परिलक्षित होती है और इस बारे में राज्य का अधिक हस्तक्षेप नहीं होता है और क्या प्रमुख निविष्टियों की लागत में बाजार मूल्य पर्याप्त रूप से प्रदर्शित होते हैं;

(ख) इस प्रकार की फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति विशेषकर परिसंपत्तियों के मूल्यहास, अन्य बहु खातों, वस्तु विनिमय-व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के माध्यम से भुगतान के संदर्भ में पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाली प्रणाली से हुई महत्वपूर्ण विकृतियों के अध्यधीन हैं;

(ग) इस प्रकार की फर्में दिवालियापन और संपत्ति कानूनों के अध्यधीन हैं जो फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता और स्थिरता की गारंटी देते हैं; और

(घ) विनिमय दर का परिवर्तन बाजार की दर पर किया जाता है ।

81. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादकों/निर्यातकों ने अपनी प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं और प्रतिवादी निर्यातक ने प्राधिकारी द्वारा जारी की गई जांच शुरूआत की सूचना के बाद बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के अनुमान के खंडन की मांग की है । संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के प्रतिवादी उत्पादक के सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रतिवादी उत्पादक के प्रश्नावली के उत्तर और बाजार अर्थव्यवस्था के उत्तर की निम्नानुसार जांच की गई है ।

82. मै. चांगहोंग प्लास्टिक्स ग्रुप कंपनी लि. (सी एच एस या कंपनी) एक निजी सीमित दायित्व वाली कंपनी है जिसकी ये स्थापना चीन जन.गण. के कंपनी कानून के अंतर्गत की गई है । यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि सहित लंबे समय तक कंपनी को "चांगहोंग प्लास्टिक्स कंपनी लि." कहा जाता है । *** को सी एच एस के शेयरधारकों की बैठक में वर्तमान नाम को बदलने का संकल्प लिया गया । यह नोट किया जाता है कि सी एच एस के शेयर धारक दो प्रकृत व्यक्ति *** और *** हैं । यह अनुरोध किया गया था कि सी एच एस ने एक सहायक कंपनी अर्थात *** गठित की । (अनहुई पैरी) जिसकी स्थापना *** को की गई थी परंतु उसने अपना व्यापार *** में शुरू किया । सत्यापन के दौरान यह अनुरोध किया गया था कि ग्रुप की विकास कार्यनीति के अनुसार निकट भविष्य में सी एच एस संबद्ध वस्तु की उत्पादन सुविधाओं सहित अपनी समस्त उत्पादन सुविधाएं अनहुई पैरी को अंतरित कर देगी । तथापि, जांच अवधि के दौरान केवल सी एच एस संबद्ध वस्तु का विनिर्माण और बिक्री कर रही है ।

83. जांच के दौरान यह नोट किया जाता है कि सी एच एस का संबद्ध पण्य वस्तु के विकास, उत्पादन, बिक्री या वितरण के बारे में किसी अन्य व्यापार के साथ कोई संविदात्मक संबंध या संयुक्त उद्यम नहीं है । यह भी नोट किया जाता है कि सी एच एस किसी एक आपूर्तिकर्ता से भारी मात्रा में प्रमुख निविष्टि प्राप्त नहीं करता है । सत्यापन के दौरान यह अनुरोध किया गया था

कि सी एच एस का किसी आपूर्तिकर्ता, वितरक या पुनः विक्रेता के साथ कोई विशिष्ट संबंध नहीं है और समस्त खरीद प्रचलित बाजार कीमत पर की जाती है।

84. यह अनुरोध किया गया था कि उपयोगिताओं के आपूर्तिकर्ता यीकिंग सिटी में स्थानीय आपूर्तिकर्ता हैं जो यीकिंग सिटी में अन्य कंपनियों को भी आपूर्ति करते हैं। इनमें से कोई भी आपूर्तिकर्ता सी एच एस से संबद्ध नहीं हैं। सी एच एस प्रचलित बाजार कीमत पर उनसे उपयोगिताएं खरीदता है। यह अनुरोध किया गया था कि सी एच एस के कर्मचारियों की सीधी उपयोगिताएं समाज से की जाती है। सत्यापन के दौरान कंपनी से अनुरोध किया गया था कि वह प्रवर्तकों भर्ती समाज से की जाती है। सत्यापन के दौरान कंपनी से अनुरोध किया गया था कि वह प्रवर्तकों द्वारा इकिटी पूँजी की प्राप्ति और कंपनी द्वारा मशीनों की खरीद के बारे में दस्तावेजों की मूल प्रतियां और सहायक प्रतियां उपलब्ध कराए। कंपनी से यह भी अनुरोध किया गया था कि वह सहायक कंपनी मैं *** को अपनी व्यापार इकाई के हस्तांतरण हेतु विचाराधीन खरीद सहित और प्रस्तुत करें। तथापि, सत्यापन के दौरान कंपनी ने यह कहते हुए संगत दस्तावेजों को उपलब्ध कराने में असमर्थता व्यक्त की कि लेखा विभाग के संबंधित अधिकारी उपलब्ध नहीं हैं। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि कंपनी के मूल रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं कराए गए थे, उत्पादक और निर्यातक मैं सी एच एस द्वारा किए गए अनुरोध अस्यापित रहते हैं और इस प्रकार बाजार अर्थव्यवस्था हेतु मैं सी एच एस के दावे को प्राधिकारी ने स्वीकार नहीं किया है।

चीन जन.गण.में सी एच एस तथा असहयोगी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

85. सी एच एस को छोड़कर चीन जन गण के किसी अन्य उत्पादक/निर्यातक ने प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। भारतीय सीमाशुल्क आंकड़ों में सूचित विचाराधीन उत्पाद के आयात और सी एच एस से हुए निर्यातों से संबंधित सूचना से यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान एच एस से हुए निर्यातों से संबंधित सूचना से यह पता चलता है कि जांच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का काफी अधिक आयात हुआ है। स्पष्टतः संबद्ध वस्तु का निर्यात चीन के ऐसे अन्य निर्यातकों ने भी किया है जिन्होंने प्राधिकारी के साथ सहयोग नहीं किया है। प्राधिकारी ने प्रमुख कच्ची सामग्री के लिए खपत मानकों को अपनाते हुए और कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय जन.गण. में सभी उत्पादकों एवं निर्यातकों हेतु सामान्य मूल्य परिकलित किया है। उत्पादन लागत सीमान्य एवं प्रशासनिक लागत तथा उचित लाभ मार्जिन जोड़ा गया है ताकि परिकलित में बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत तथा उचित लाभ मार्जिन की जा सके। सी एच एस हेतु निर्धारित सामान्य मूल्य की मात्रा को ही सामान्य मूल्य की गणना की जा सके। इस प्रकार निकाले गए परिकलित सामान्य चीन जन.गण. के अन्य निर्यातकों के लिए गया है।

चीनी ताइपेई में सामान्य मूल्य

86. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीनी ताइपेई के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने कोई उत्तर दायर नहीं किया है। चूंकि उक्त देश के किसी उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रश्नावली के अनुसार चीनी ताइपेई में उत्पादन लागत से संबंधित सूचना तथा अन्य सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है।

इसलिए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर भरोसा किया है। याचिकाकर्ता ने ताईवान में अनुमानित उत्पादन लागत के आधार पर चीनी ताईपेई में सामान्य मूल्य के ब्यौरे प्रदान किए हैं। निर्धारित प्रपत्र में और ढंग से निर्यातकों की ओर से कोई उत्तर न मिलने की स्थिति में प्राधिकारी ने उपर्युक्त नियम 6(8) के साथ पठित धारा 9 क(1) ग के अनुसार अनुमानित उत्पादन लागत के आधार पर चीनी ताईपेई में सामान्य मूल्य निर्धारित किया है। इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि निर्यातक देश ने संबद्ध वस्तु की कीमत के बारे में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कोई सूचना नहीं है। सामान्य मूल्य का परिकलन प्रमुख कच्ची सामग्री के खपत मानकों तथा कच्ची सामग्री की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों एवं संगत अवधि के दौरान परिवर्तन लागत के ज्ञात अनुमानों को अपनाते हुए किया गया है। इस प्रकार निर्धारित उत्पादन लागत में बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत तथा उचित लाभ मार्जिन को जोड़ा गया है ताकि परिकलित सामान्य मूल्य की गणना की जा सके। इस प्रकार निकाले गए परिकलित सामान्य मूल्य का उल्लेख पाटन मार्जिन की तालिका में किया गया है।

उ4 निर्यात कीमत

उ4.2.1 चांगहोंग प्लास्टिक्स (सी एच एस) के लिए निर्यात कीमत

87. विचाराधीन उत्पाद के बारे में चांगहोंग प्लास्टिक्स हेतु अलग निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर और प्रतिवादी उत्पादक के दावे तथा प्राधिकारी द्वारा की गई जांच और स्वीकृति के आधार पर किया गया है। निर्यात कीमत का निर्धारण संगत अवधि के दौरान भारतीय आयातकों को उनके द्वारा सीधे भारत को निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के निर्यातों की भारित औसत कीमत के रूप में किया गया है जो कंपनी द्वारा किए गए निर्यातों के बीजकावर ब्यौरे पर आधारित है। उत्पादक द्वारा एक अन्य व्यापारी (मै. रिचिन इंडस्ट्रीयल (एच के) लिए) के जरिए किए गए निर्यातों पर विचार नहीं किया गया है क्योंकि संबंधित व्यापारी ने भारत को किए गए अपने निर्यातों के बारे में संगत सूचना दायर नहीं की थी। यह नोट किया जाता है कि सी एच एस द्वारा प्रदत्त सूचना में भार आधार पर व्यक्त निर्यातों की मात्रा के बारे में पर्याप्त सूचना निहित है। अतः निर्यात कीमत का निर्धारण प्रति किग्रा औसत कीमत के आधार पर किया गया है। समुद्री भाड़े, अंतर्राष्ट्रीय भाड़े, बीमा, पत्तन व्यय, बैंक प्रभारों आदि जैसे व्यय के लिए कीमत समायोजनों का दावा किया गया है जिन्हें सत्यापन के उपरांत स्वीकार किया गया है। निर्यातक द्वारा दावा किए गए और प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किए गए समस्त समायोजनों के साथ भारत को हुई निर्यात बिक्री का उल्लेख पाटन मार्जिन की तालिका में किया गया है। प्रकटन विवरण के बाद सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के अपर्याप्त प्रकटन के बारे में मै. सी एच एस द्वारा की गई टिप्पणियों के संबंध में यह नोट किया जाता है कि सी आई एफ तथा निवल निर्यात कीमत और पहुंच मूल्य से संबंधित सभी गणनाओं का प्रकटन विवरण के बाद निर्यातक को गोपनीय आधार पर खुलासा किया गया है। इसके अलावा, सामान्य मूल्य के ब्यौरों का प्रकटन नहीं किया गया है क्योंकि यह ऐसी सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर आधारित है जिसमें घरेलू उद्याग द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना शामिल है।

चीन जन.गण. में असहयोगी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आई बी आई एस की सूचना में चीन जन गण से *** मी.ट. केबल टाईज का आयात दर्शाया गया है जबकि प्रतिवादी निर्यातक द्वारा भारतीय आयातकों को सीधे किए गए निर्यातों की मात्रा *** मी.ट. है। अतः यह स्पष्ट है कि चीन के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा भी भारी मात्रा में निर्यात किए गए हैं। चीन के अन्य निर्यातकों की ओर से असहयोग को ध्यान में रखते हुए असहयोगी निर्यातकों के संबंध में निर्यात कीमत चीन के प्रतिवादी निर्यातक द्वारा सूचित न्यून प्रतिनिधिक कीमत के रूप में निर्धारित की गई है। समुद्री भाड़े, विदेशी बीमा, अंतरदेशीय भाड़े, पत्तन व्यय और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन करने के बाद कारखाना निर्यात कीमत की गणना की गई है जिसका उल्लेख पाटन मार्जिन की तालिका में किया गया है।

उ. 4.1 चीनी ताईपेई के लिए निर्यात कीमत

89. चीनी ताईपेई के विचाराधीन उत्पाद के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी को उत्तर नहीं दिया है। विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों से सहयोग के अभाव में ताईवान से निर्यात कीमत का निर्धारण भारतीय सीमाशुल्क आंकड़ों में सूचित औसत आयात कीमत के आधार पर किया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आई बी आई एस की सूचना में जांच अवधि के दौरान चीनी ताईपेई से 269 रूपए प्रति किग्रा. की दर से 428 मी.ट. केबल टाईज का आयात दर्शाया गया है जिसे सी आई एफ निर्यात कीमत माना गया है। ताईवान में उत्पादकों/निर्यातकों से सहयोग के अभाव में सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, अंतरदेशीय भाड़े, पत्तन व्यय और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन करने के बाद कारखाना निर्यात कीमत की गणना की गई है जिसका उल्लेख पाटन मार्जिन की तालिका में किया गया है। जहां तक चीनी ताईपेई के सभी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत के निर्धारण के बारे में प्रकटन विवरण के बाद मैं सी एच एस द्वारा की गई टिप्पणियों का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने निर्यात कीमत का निर्धारण विदेशी उत्पादकों/निर्यातकों से असहयोग के अभाव में भारतीय सीमाशुल्क के आंकड़ों में सूचित औसत आयात कीमत के आधार पर किया है जो प्राधिकारी के पूर्ववर्ती जांच परिणामों के सुसंगत है।

उ5 पाटन मार्जिन

90. पाटन मार्जिन की पुष्टि भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना भारित औसत निर्यात कीमत के साथ करते हुए की गई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के निर्यातों हेतु पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार किया गया है :-

पाटन मार्जिन की गणना

देश	चीन जन.गण.		चीनी ताइपेई
उत्पादक	सीएचएस	अन्य	
	अम.डॉ./किग्रा.	अम.डॉ./किग्रा.	अम.डॉ./किग्रा.
सामान्य मूल्य	***	***	***
निवल निर्यात कीमत	***	***	***
पाटन मार्जिन	***	***	***
पाटन मार्जिन %	***	***	***
पाटन मार्जिन रेंज %	40-45%	55-60%	45-50%

च.1 घरेलू उद्योग के विचार

घरेलू उद्योग के अनुरोध

91. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि :

- क. संबद्ध वस्तु की ऐसी पर्याप्त मात्रा है जिसका लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद पाटित कीमतों पर आयात किया जा रहा है।
- ख. क्षति पहुंचाने वाले पाटन का मुकाबला करने के लिए मौजूदा उपाय अब पर्याप्त नहीं रहा है।
- ग. संबद्ध देशों से निर्यात कीमत अत्यधिक पाटित स्तर पर है।
- घ. पाटित आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू किए जाने के कारण वर्ष 2009-10 तक घरेलू उद्योग के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में कुछ सुधार हुआ है। तथापि, जांच अवधि में इन मापदंडों में गिरावट दर्ज की गई है।
- ड. पाटनरोधी शुल्क लागू होने के कारण वर्ष 2009-10 तक लाभ/हानि में सुधार हुआ है। ब्याज एवं कर पश्चात लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय सभी में ऐसी ही प्रवृत्ति दिखाई दी है।
- च. संबद्ध देशों से आयातों के कारण बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत में भारी कटौती हो रही है।

छ. संबद्ध देशों से आयातों की संदर्भ कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम रही है। अतः संबद्ध देशों से हुए आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का निवारक प्रभाव कम रहा है।

ज. घरेलू उद्योग के पास रोजगार के स्तर में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है।

झ. घरेलू उद्योग के पास मालसूची के स्तर में 2008-09 तक वृद्धि हुई और उसके बाद गिरावट आई।

ज. घरेलू उद्योग ने वर्ष 2009-10 तक मात्रा और कीमत दोनों मापदंडों के संबंध में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है, तथापि, जांच अवधि में इन सभी मापदंडों में गिरावट प्रदर्शित हुई है। घरेलू उद्योग ने मात्रात्मक मापदंडों अर्थात् बिक्री मात्रा, उत्पादन एवं बाजार हिस्से और कीमत मापदंडों अर्थात् लाभ, लगाई गई पूँजी पर आय तथा नकद लाभ के संबंध में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। कुल मिलाकर घरेलू उद्योग ने नकारात्मक वृद्धि का सामना किया।

ठ. संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु की भारी उत्पादन क्षमताओं और उनके निर्यात अभिमुखीकरण तथा भारत में संबद्ध वस्तु की बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए इस बात की प्रबल संभावना है कि घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचाने वाले पाटित आयातों में हो रही वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा करना और उसकी राशि को बढ़ाना आवश्यक है।

ठ. यदि पाटनरोधी शुल्क में संशोधन और संवर्धन नहीं किया जाएगा तो घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से आयातों के और बड़े खतरे का सामना करना होगा।

ड. घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदंडों से सामूहिक और संचयी रूप से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति की पुष्टि होती है।

प्रकटन विवरण के बाद घरेलू उद्योग की टिप्पणियां

92. घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि विचाराधीन उत्पाद, समान वस्तु और घरेलू उद्योग की जांच की पुष्टि करें। सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के मुद्दे पर उन्होंने अनुरोध किया है कि सी एच एच एस के लिए निर्यात कीमत और पृथक पाटन मार्जिन अधूरे उत्तर के मद्देनजर प्रदान नहीं किया जाना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में प्राधिकारी के समक्ष किए गए पूर्ववर्ती अनुरोधों को दोहराया है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि यह विचाराधीन उत्पाद का ऐसा विशिष्ट ग्रेड है जिससे उन्हें बेहतर आय हो रही है और उन्हें अन्य ग्रेडों (सामान्य ग्रेड), जो विचाराधीन उत्पाद का भाग है, में घाटा हुआ है। क्षति रहित कीमत और निवल बिक्री प्राप्ति के मुद्दे के बारे में यह अनुरोध किया गया है कि क्षति रहित कीमत और निवल

बिक्री प्राप्ति की तुलना मध्यावधि समीक्षा अप्रासंगिक है और इसलिए इसका उद्देश्य नितांत सीमित है। उन्होंने प्राधिकारी से निर्धारित कीमत आधार पर पाठनरोधी शुल्क की सिफारिश करने का अनुरोध किया है।

च.2 मै. चांगहोंग प्लास्टिक्स (सी एच एस) के विचार

93. इस संबंध में, मै. चांगहोंग प्लास्टिक्स के विचार निम्नानुसार हैं:-

क. यह अनुरोध किया गया है कि मौखिक सुनवाई के दौरान सौंपी गई पुस्तिका में आगे और संशोधित किया गया क्षति विवरण निहित था। प्रथम दो याचिकाओं में प्रदत्त आंकड़े पूर्णतः कोरे छोड़े गए थे जिनकी गोपनीयता के बारे में कोई कारण नहीं दिया गया था। अद्यतित याचिका में भी क्षति संबंधी सूचना इतनी अधिक गोपनीय रखी गई है कि मांग और बाजार हिस्से जैसे मूल कारकों को भी जानना असंभव हो गया है।

ख. बिक्री कीमत में लागत के अनुरूप वृद्धि हुई है और वह जांच अवधि में भी लागत से अधिक है। याचिका में प्रदत्त बाजार हिस्सा प्रपत्र IV के प्रदर्शित बाजार हिस्से का विरोधाभासी है और इसमें सार्वजनिक सुनवाई में प्रस्तुत याचिका में प्रदत्त बाजार हिस्से से काफी अलग स्थिति दर्शायी गई है। यद्यपि, संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में लगभग 50% की गिरावट आई है, तथापि, अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री में लगभग 400% की वृद्धि हुई है।

ग. आयातों की समग्र संख्या में वृद्धि के साथ-साथ संबद्ध देशों के हिस्से में गिरावट से यह पता चलता है कि मांग में संबद्ध देशों से हुए आयातों की तुलना में अधिक वृद्धि हुई है जिससे आयात मात्रा में वृद्धि का कारण स्पष्ट होता है। इसके अलावा, चूंकि घरेलू उद्योग की कुल क्षमता समान रही है, इसलिए यह बढ़ती हुई मांग को पूरा नहीं कर सकता है इसलिए बाजार हिस्से में गिरावट आनी अनिवार्य है।

घ. संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि तो हुई है लेकिन यह कुल खपत की तुलना के अनुरूप नहीं है। अतः कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है।

ङ. क्षति अवधि में कीमत और लागत में समान घट-बढ़ हुई है। लागत से घरेलू उद्योग की कीमत पर प्रभाव पड़ता है न कि आयात कीमत पर। अतः याचिकाकर्ता का यह दावा न्यायोचित नहीं है कि घरेलू उद्योग पर अत्यधिक कीमत प्रभाव पड़ा है।

च. क्षति अवधि के दौरान याचिकाकर्ता के लिए लाभ और लगाई गई पूँजी पर आय में भारी वृद्धि हुई है। याचिकाकर्ता ने क्षति अवधि के दौरान लाभ में सतत वृद्धि की है।

छ. जब तक याचिकाकर्ता शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में संबद्ध आयातों के वास्तविक और पर्याप्त खतरे की पुष्टि नहीं कर सकता, तब तक उसके कथनों को अस्वीकार किया जाए।

प्रकटन विवरण के बाद निर्यातक में सी एच एस की टिप्पणियां

94. प्रकटन विवरण पर टिप्पणियों में घरेलू उद्योग ने प्राधिकारी के समक्ष पूर्व में किए गए अपने अनुरोधों को दोहराया है। उन्होंने खासकर गोपनीयता, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन से संबंधित सूचना के अपर्याप्त प्रकटन, प्रकटन विवरण का उत्तर प्रस्तुत करने के लिए उन्हे दिए गए अपर्याप्त समय और अपर्याप्त आंकड़ों के आधार पर घरेलू उद्योग के क्षति निर्धारण से संबंधित मुद्दों को पुनः उठाया है। उन्होंने यह भी अनुरोध किया है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है और घरेलू उद्योग को हुई कोई क्षति पाटन से इतर कारकों की वजह से हुई है। उन्होंने विनिमय दर, घरेलू याचिकाकर्ताओं के संबंधित हिस्से और अधिक मूल्य के बीजक बनाने जैसे मुद्दे भी उठाए हैं।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

95. अनुबंध-II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "..... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए " ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

96. भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए उपर्युक्त नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार, उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति तथा पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर विचार किया गया है।

97. वर्तमान जांच लागू पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा जांच है। नियम 23 में यह उपबंध है कि समीक्षा के मासले में भी नियम 11 आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होगा। अतः प्राधिकारी ने अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 के उपबंधों पर आवश्यक परिवर्तनों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण किया है। इसके अलावा चूंकि विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, इसलिए प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच करते समय चीन और ताईवान से हुए उत्पाद के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क पर विचार करना अपेक्षित है। प्राधिकारी ने इस बात की जांच की है कि क्या मौजूदा उपाय क्षति पहुंचाने वाले पाटन को समाप्त करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। वर्तमान क्षति विश्लेषण के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के कीमत प्रभाव और उसकी मात्रा की जांच की है।

98. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को हुई क्षति से संबंधित विभिन्न मापदंडों के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों पर इस जांच परिणाम में उचित आधार पर विचार किया है। जहां तक निर्यातकों के इस अनुरोध का संबंध है, कि विभिन्न क्षति मापदंडों में अलग-अलग स्तरों पर परिवर्तन हुआ है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मध्यावधि समीक्षा जांच की शुरुआत हेतु याचिका घरेलू उद्योग ने 28 मार्च, 2011 को दायर की थी। घरेलू उद्योग द्वारा दायर याचिका को विभिन्न मापदंडों के बारे में त्रुटिपूर्ण पाया गया था। अतः घरेलू उद्योग से कमियों को दूर करने और अतिरिक्त सूचना/स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। अद्यतित याचिका के साथ अतिरिक्त सूचना/स्पष्टीकरण प्रदान किया गया था जिससे प्रथमदृष्ट्या समीक्षा जांच की शुरुआत हेतु घरेलू उद्योग के अनुरोधों की पुष्टि हुई थी और इसे घरेलू उद्योग ने 6 सितंबर, 2011 को दायर किया था। इसके अलावा, जांच की शुरुआत के बाद प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों से यह कहा था कि वे जांच शुरुआत की सूचना का उत्तर दें और समुचित प्रश्नावली के प्रपत्र में और ढंग से अपने उत्तर दायर करें। घरेलू उद्योग ने जांच शुरुआत की अधिसूचना का उत्तर दिया और घरेलू उद्योग की प्रश्नावली के प्रपत्र में और ढंग से सूचना प्रस्तुत की। वर्तमान जांच में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों का प्राधिकारी ने आवश्यक समझी गयी सीमा तक आगे सत्यापन किया है। वर्तमान जांच परिणाम में प्राधिकारी ने जांच किए गए और सत्यापित आंकड़ों के आधार पर अपनी सिफारिशें की हैं। जांच अविधि के बाद विनिमय दर में परिवर्तन और मै. सी एच एस की टिप्पणी के अनुसार वर्तमान जांच पर उसक प्रभाव के बारे में यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने विनिमय दर अपनी संगत पद्धति के अनुसार ली है।

99. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के विचारों पर ध्यान दिया है और उन पर समुचित विचार किया है। प्राधिकारी ने नियमानुसार क्षति मापदंडों का विश्लेषण किया है। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के बारे में की गई थी। संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता प्रदान की और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया। जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं।

पाटित आयातों की मात्रा

100. जहां तक पाटित आयातों की मात्रा का संबंध है, प्राधिकारी के लिए इस बात पर विचार करना अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (ii) में निम्नानुसार उपबंध है:-

"पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या समग्र रूप से या भारत में उत्पादन और खपत की दृष्टि से पाटित आयातों में भारी वृद्धि हुई है।"

क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के आयात निम्नानुसार रहे थे :-

अवधि	यू.ओ. एम	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
चीन जन.गण.	मी.ट.	299	363	485	649
चीनी ताइपेई	मी.ट.	438	402	372	428
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	737	765	857	1,077
प्रवृत्ति	%	100	104	116	146
अन्य देश	मी.ट.	-	-	19	30
कुल आयात	मी.ट.	737	765	876	1,107

101. यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद भी उत्पादन के आयातों में समग्र रूप से भारी वृद्धि हुई है। इसके अलावा, तीसरे देशों से हुए आयातों का देश में संबद्ध वस्तु के कुल आयातों में अति अल्प हिस्सा बना हुआ है।

मांग और बाजार हिस्से का निर्धारण

102. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मांग का निर्धारण घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री, अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री तथा समस्त स्रोतों से भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों की राशि के रूप में किया है। इस प्रकार निर्धारित मांग निम्नलिखित तालिका में दर्शायी गई है। यह देखा जाता है कि क्षति अवधि के दौरान देश में उत्पाद की मांग में लगातार वृद्धि हुई है।

अवधि	यू.ओ.एम	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
मांग	मी.ट.	950	1,012	1,190	1,340
प्रवृत्ति	%	100	107	125	141
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	737	765	857	1,077
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	-	-	19	30
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	203	237	265	183
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	10	10	50	50
बाजार हिस्सा	%	21%	23%	22%	14%
घरेलू उद्योग	%				

अन्य भारतीय उत्पादक	%	1%	1%	4%	4%
संबद्ध आयात	%	78%	76%	72%	80%
अन्य आयात	%	0%	0%	2%	2%

103 प्राधिकारी नोट करते हैं कि हालांकि क्षति जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से आयातों में भारी वृद्धि हुई है, तथापि, घरेलू उद्योग की बिक्री में 2009-10 तक वृद्धि हुई और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई। यह भी नोट किया जाता है कि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई जबकि इसी अवधि में संबद्ध देशों के हिस्से में वृद्धि हुई। वर्ष 2009-10 तक भारत में खपत की तुलना में संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयात में गिरावट आई परंतु उसके बाद जांच अवधि में भारी वृद्धि हुई है। जहां तक प्रकटन विवरण के बाद मैं सी एच एस द्वारा की गई टिप्पणी के अनुसार अन्य उत्पादकों के बाजार हिस्से में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संबंध है, यह नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान बाजार हिस्से में वृद्धि केवल 3 प्रतिशत हुई है जबकि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में इसी अवधि के दौरान 7 प्रतिशत की गिरावट आई है।

कीमत प्रभाव

104 कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव के बारे में नियमावली के नियम-II (ii) में निम्नानुसार उपबंध है :-

"नियम 18 के उपनियम (2) में यथा उल्लिखित कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी यह विचार करेंगे कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाठित आयातों द्वारा भारी कीमत कटौती की जा रही है या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में अत्यधिक मात्रा में कमी करना है या ऐसी कीमत को रोकना है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

105 जहां तक कीमतों पर पाठित आयातों के प्रभाव का संबंध है, इस बात की जांच की गई है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में पाठित आयातों के कारण कीमत में अत्यधिक कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमत में अन्यथा गिरावट आई है अथवा होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती। संबद्ध उत्पाद के लिए निर्यातित उत्पाद के पहुंच मूल्य तथा घरेलू उद्योग की औसत बिक्री कीमत के बीच तुलना की गई थी। घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत का निर्धारण व्यापार के समान स्तर पर सभी रिबेटों और करों को जोड़कर किया गया है।

कीमत कटौती

106 कीमत कटौती मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है :-

अवधि	यू.ओ. एम रु.कि.ग्रा.	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
निवल बिक्री कीमत		323	360	387	416
पहुंच कीमत- चीन जन.गण.	रु.कि.ग्रा.	53	108	272	278
पहुंच कीमत-चीनी ताइपेई	रु.कि.ग्रा.	108	154	288	287
कीमत कटौती-चीन जन.गण.	रु.कि.ग्रा.	270	252	115	139
कीमत कटौती- चीनी ताइपेई	रु.कि.ग्रा.	215	206	100	130
कीमत कटौती % - चीन जन.गण.	%	84%	70%	30%	33%
कीमत कटौती % - चीनी ताइपेई	%	67%	57%	26%	31%

107. इस संबंध में प्राधिकारी निम्नानुसार नोट करते हैं कि :-

क. वर्ष 2007-08 के दौरान कोई पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं था। अतः संबद्ध देशों से आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति से काफी कम था।

ख. केन्द्र सरकार द्वारा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क 31 अक्टूबर, 2008 से संदर्भ कीमत के रूप में लागू किया गया था। पाटनरोधी शुल्क लंगाए जाने के कारण संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य में भारी वृद्धि हुई (पाटनरोधी शुल्क इस अवधि के केवल एक भाग पर लागू था)। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति में मामूली सुधार हुआ था। परिणामतः दोनों देशों से कीमत कटौती की मात्रा में मामूली गिरावट आई थी।

ग. वर्ष 2009-10 (वह अवधि जिसमें पाटनरोधी शुल्क समूची अवधि के लिए लागू था) के दौरान सबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पहुंच मूल्य में आगे और भारी वृद्धि हुई थी। तथापि, वर्ष 2010-11 के दौरान पहुंच मूल्य में कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है।

घ. आयात कीमत में वृद्धि के बावजूद आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से काफी कम बनी हुई है। इस प्रकार संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती जारी है।

कीमत हास और न्यूनीकरण

108. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लागत और कीमत में घट-बढ़ तथा संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना इस बात की जांच करने के लिए की गई है कि क्या पाटित आयातों के प्रभाव से कीमत में अत्यधिक वृद्धि हुई है या होने वाली वृद्धि में रुकावट आई है जिसमें अन्यथा काफी अधिक वृद्धि हो गई होती।

अवधि	यू.ओ.एस	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
उत्पादन की लागत	रु./कि.ग्रा.	322	334	346	386
प्रवृत्ति	%	100	104	107	120
निवल बिक्री कीमत	रु./कि.ग्रा.	323	360	387	416
प्रवृत्ति	%	100	112	120	129

109. उपर्युक्त से प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत में 29% की वृद्धि के मुकाबले क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत में 20% की वृद्धि हुई है। तथापि, पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उत्पादन लागत में भारी वृद्धि हुई है जबकि बिक्री कीमत में उसी अनुपात में वृद्धि नहीं हुई। अतः समग्र क्षति अवधि के लिए यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के समग्र आयातों के कारण कीमत में कोई हास प्रतीत नहीं होता है। चूंकि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत में कोई गिरावट नहीं आई है इसलिए यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को क्षति अवधि के दौरान किसी कीमत हास का सामना नहीं करना पड़ा है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने कार्यवाही के दौरान यह तर्क दिया था कि उसने विचाराधीन उत्पाद के विशिष्टता वाले ग्रेडों की कुछ मात्रा का उत्पादन और बिक्री की है जहां पाठित आयातों से कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त अलग-अलग सूचना से यह पता चला कि विशिष्टता वाले ग्रेडों और गैर विशिष्टता वाले ग्रेडों की संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत में भारी अंतर था और यहां तक कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की औसत बिक्री कीमत में पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई थी। तथापि, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विशिष्टता ग्रेड को छोड़कर संबद्ध वस्तु की निवल बिक्री कीमत में भारी गिरावट आई थी। इसके अलावा, यह भी नोट किया जाता है कि प्रमुख कच्ची सामग्री की लागत में वृद्धि के बावजूद पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान पहुंच कीमत में आनुपातिक वृद्धि प्रदर्शित नहीं हुई।

घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक मापदंड

110. नियमावली के अनुबंध-II में यह अपेक्षित है कि क्षति के निर्धारण में ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। जहां तक ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव का संबंध है, नियमों में आगे यह उपबंध है कि घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में वास्तविक एवं संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों; घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारकों, पाटन मार्जिन की मात्रा; नकद प्रवाह, माल सूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित ऋणात्मक प्रभावों का तथ्यपरक एवं निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होगा। घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। तथापि, वर्तमान जांच एक मध्यावधि समीक्षा

जांच होने के कारण घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण आवश्यक परिवर्तनों के आधार पर करना अपेक्षित है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने यह जांच की है कि क्या मौजूदा उपाय क्षति पहुंचाने वाले पाटन को समाप्त करने के लिए पर्याप्त हैं। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मापदंडों पर निजी चर्चा की गई है।

संबद्ध देशों से आयात, आयातों का बाजार हिस्सा और मांग

111. घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री और बाजार हिस्से पर पाए आयातों के प्रगाह की निम्नानुसार जांच की गई है :-

अवधि	यू ओ एम	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
मांग	मी.ट.	950	1,012	1,190	1,340
प्रवृत्ति	%	100	107	125	141
संबद्ध देशों से आयात	मी.ट.	737	765	857	1,077
अन्य देशों से आयात	मी.ट.	-	-	19	30
घरेलू उद्योग की बिक्री	मी.ट.	203	237	265	183
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	मी.ट.	10	10	50	50
बाजार हिस्सा					
घरेलू उद्योग	%	21%	23%	22%	14%
अन्य भारतीय उत्पादक	%	1%	1%	4%	4%
संबद्ध आयात	%	78%	76%	72%	80%
अन्य आयात	%	0%	0%	2%	2%

112. यह नोट किया जाता है कि मांग में वृद्धि के बावजूद आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में भारी गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट काफी अधिक मानी गई है।

उत्पादन, क्षमता और क्षमता उपयोग, बिक्री

113. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग तथा बिक्री मात्रा से संबंधित सूचना निम्नानुसार रही है :-

अवधि	यू ओ एम	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
क्षमता	मी.ट.	560	560	560	560
उत्पादन	मी.ट.	217	237	253	194
संयंत्र क्षमता उपयोग	प्रतिशत	39%	43%	49%	42%
घरेलू बिक्री	मी.ट.	203	237	265	183

114. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन, घरेलू बिक्री और क्षमता उपयोग में 2009-10 तक सुधार हुआ और उसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच और सत्यापन के दौरान प्राधिकारी ने यह नोट किया कि घरेलू उद्योग की क्षमता में विचाराधीन उत्पाद से इतर वस्तु के विनिर्माण की क्षमताएं शामिल हैं। इस बात को देखते हुए संयंत्र के क्षमता उपयोग का उल्लेख किया गया है।

115. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध आयातों की मात्रा में जांच अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि होने के कारण घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में भारी गिरावट आई है। परिणामतः जांच अवधि में घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में अत्यधिक गिरावट आई। यह नोट किया जाता है कि निष्क्रिय क्षमताओं के कारण आंशिक रूप से घरेलू उद्योग द्वारा विचाराधीन उत्पाद से इतर वस्तु के विनिर्माण हेतु कुछ मौजूदा क्षमताओं/सुविधाओं का प्रयोग किया गया है। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि के बावजूद घरेलू बिक्री, उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।

लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह

116. घरेलू उद्योग के लाभ, निवेश पर आय और नकद प्रवाह की निम्नानुसार जांच की गई है:-

अवधि	यू.ओ.एम	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
लाभ/हानि	रु./किग्रा.	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	4,278	6,743	4,937
लाभ/हानि	लाख रुपए	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	5,000	8,970	4,769
लाभ तथा कर पूर्व लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	291	456	305
नकद लाभ	लाख रुपए	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	215	277	213
निवेश पर आय	%	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	250	360	287

117. प्राधिकारी निम्नलिखित प्रवृत्तियां नोट करते हैं:-

- क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के प्रति इकाई लाभ में अलग-अलग प्रवृत्तियां रही हैं। हालांकि आधार वर्ष से घरेलू उद्योग के लाभ में पर्याप्त सुधार हुआ था। तथापि, जांच अवधि के दौरान इसमें भारी गिरावट आई।
- इसी प्रकार जहां क्षति अवधि की आरंभिक अवधियों में घरेलू उद्योग के पी बी आई टी, नकद लाभ और लगाई गई पूँजी पर आय में उल्लेखनीय सुधार प्रदर्शित हुआ, वहीं पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान इन मापदंडों में गिरावट आई। विचाराधीन उत्पाद से इतर उत्पादों के उत्पादन हेतु कुछ परिसंपत्तियों को हटाने के कारण लगाई गई पूँजी में गिरावट के बावजूद निवेश पर आय में गिरावट देखी गई है।
- घरेलू उद्याग ने यह तर्क दिया है कि उसने विचाराधीन उत्पाद के विशिष्टतायुक्त ग्रेडों की कुछ मात्रा का उत्पादन कर बिक्री की है। जहां उनकी पाठित आयातों से कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी। घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त अलग-अलग सूचना से यह पता चला कि विशिष्टता वाले ग्रेडों तथा गैर-विशिष्टता वाले ग्रेडों की संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत में भारी अंतर था और यहां तक कि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में जांच अवधि में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु की औसत बिक्री कीमत में भी वृद्धि हुई थी, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विशिष्टता वाले ग्रेड को छोड़कर संबद्ध वस्तु की निवल बिक्री कीमत में भारी गिरावट आई है। अतः यह नोट किया जाता है कि यदि विशिष्टतायुक्त ग्रेडों को अलग कर दिया जाए तो घरेलू उद्योग को प्रचालन निष्पादन में आगे और गिरावट का सामना करना होगा।

रोजगार और मजदूरी

118. घरेलू उद्योग के रोजगार और मजदूरी का स्तर निम्नानुसार रहा है :-

अवधि	यू.ओ.एम	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
रोजगार	रु. सं.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	%	100	115	110	100
गजदूरी	लाख रुपए	***	***	***	***
प्रवृत्ति	%	100	178	282	241

119. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग के पास रोजगार का स्तर लगभग समान रहा है जबकि मजदूरी में सकारात्मक प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है।

उत्पादकता

120. घरेलू उद्योग की उत्पादकता निम्नलिखित तालिका में दी गई है :-

उत्पादकता	यू.ओ. एम	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
प्रति कर्मचारी	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	%	100	96	116	109
प्रति दिवस	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	%	100	110	127	109

121. उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2008-09 में घरेलू उद्योग की प्रति कर्मचारी उत्पादकता में गिरावट आई, 2009-10 में सुधार हुआ और तत्पश्चात जांच अवधि में गिरावट आई ।

मालसूची

122. निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की मालसूची के स्तर की जांच की है जिसका उल्लेख निम्नलिखित तालिका में किया गया है :-

अवधि	यू.ओ. एम	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
औसत मालसूची	मी.ट.	***	***	***	***
प्रवृत्ति	%	100	125	100	78

123. यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2008-09 में घरेलू उद्योग की मालसूची के स्तर में सुधार हुआ और उसके बाद 2009-10 तथा जांच अवधि में गिरावट आई । जांच अवधि में गिरावट के बावजूद घरेलू उद्योग के उत्पादन स्तर को देखते हुए मालसूची पर्याप्त स्तर पर बनी रही ।

घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

124. संबद्ध देशों और अन्य देशों से आयात कीमतों, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा और घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमत को प्रभावित कर सकने वाले पाठित आयातों से इतर कारकों पर विचार करते हुए यह पता चलता है कि संबद्ध देशों से आयातित सामग्री का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम रहा है जिससे भारतीय बाजार में कीमत में भारी कटौती हुई है । आगे यह नोट किया जाता है कि अन्य देशों से संबद्ध वस्तु के आयात काफी उच्च कीमत पर हुए हैं । इस उत्पाद का कोई व्यवहार्य स्थानापन्न नहीं है । यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु की मांग में पर्याप्त वृद्धि हो रही थी और यह घरेलू कीमत को

प्रभावित करने वाला कारक नहीं हो सकती है। अतः घरेलू उद्योग की कीमत के लिए जिम्मेवार प्रमुख कारक संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत और घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत है।

पूंजी जुटाने की क्षमता

125. यह नोट किया जाता है कि यदि वर्तमान स्रोतों से पाठन जारी रहता है तो घरेलू उद्योग की पूंजी जुटाने की क्षमता प्रभावित होगी ग।

वृद्धि

126. घरेलू उद्योग के विभिन्न आर्थिक मापदंडों की जांच करने के बाद प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादन और बिक्री जैसे दोनों मात्रात्मक मापदंडों और घरेलू उद्योग के कीमत मापदंडों में वर्ष 2009-10 तक सुधार प्रदर्शित हुआ और तत्पश्चात लागू पाटनरोधी शुल्क के बावजूद इसमें गिरावट आई। अतः मात्रात्मक मापदंडों के बारे में घरेलू उद्योग की वृद्धि प्रतिकूल है। कीमत मापदंडों के बारे में यह वृद्धि वर्ष 2009-10 तक सकारात्मक है और तत्पश्चात यह नकारात्मक बन गई है।

अवधि	यूओएम	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
वर्ष-दर वर्ष वृद्धि					
उत्पादन	%		10	15	-14
बिक्री	%		17	7	-23
लाभ	%		4,900	79	-47
बाजार हिस्सा	%		10	-5	-37
आर ओ आई	%		150	44	-20

कारणात्मक संबंध

127. पाटनरोधी नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के लिए अन्य बातों के साथ-साथ पाटित आयातों से इतर ऐसे किसी अन्य ज्ञात कारक की जांच करनी अपेक्षित होती है जो उसी समय घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहा है ताकि इन अन्य कारकों से हुई क्षति का कारण पाटित आयातों को न माना जा सके। इस संबंध में जो कारक संगत हो सकते हैं, उनमें अन्य के साथ-साथ पाटित कीमत पर न बेचे गए आयातों की मात्रा और कीमत, मांग में कमी अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन, विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास तथा निर्यात निष्पादन और घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल है। इस बात की जांच की गई थी कि क्या नियमों में सूचीबद्ध इन अन्य मापदंडों से घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती है?

अन्य देशों से आयात तथा अन्य ज्ञात कारक

128. जांच अवधि के दौरान 97% से अधिक आयात वर्तमान जांच के संबद्ध देशों से हुए थे। तीसरे देशों से हुए आयात नगण्य थे और इनसे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है।

मांग में कमी और/अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन

129. आंकड़ों से क्षति अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि का पता चलता है। मांग में गिरावट को वह कारक नहीं माना जा सकता जिससे घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रभावित हो सकता हो। प्राधिकारी की जानकारी में खपत की पद्धति में कोई खास परिवर्तन नहीं आया है और न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस बारे में कोई अनुरोध किया है।

विदेशी और घरेलू उत्पादकों के व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार तथा उनके बीच प्रतिस्पर्धा

130. संबद्ध वस्तु मुक्त रूप से आयात योग्य है। प्राधिकारी की जानकारी में घरेलू बाजार में कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार नहीं लाया गया है। घरेलू उत्पादक एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा करते हैं और साथ ही साथ संबद्ध वस्तु से भी। घरेलू उद्योग की कीमत संबद्ध वस्तु की पहुंच कीमत द्वारा प्रभावित होती है।

प्रौद्योगिकी विकास

131. जांच से प्रौद्योगिकी में ऐसे किसी खास विकास का पता नहीं चला है जिसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण माना जा सके।

घरेलू उद्योग द्वारा निर्यात

132. घरेलू उद्योग के निर्यात नगण्य हैं। अतः निर्यातों से उसका समग्र निष्पादन प्रभावित नहीं हो सकता है।

उत्पादकता

133. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रति कर्मचारी उत्पादन के संबंध में आकलन किए जाने पर घरेलू उद्योग की उत्पादकता में 2008-09 में गिरावट आई, 2009-10 में सुधार हुआ और उसके बाद जांच अवधि में पुनः गिरावट आई। तथापि, उत्पादकता में परिवर्तन इतना अधिक नहीं रहा है जिससे घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में इतना अधिक परिवर्तन हो सके। घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में परिवर्तन घरेलू उद्योग को हुई क्षति का कारण नहीं हो सकता।

कारणात्मक संबंध को स्थापित करने वाले मापदंड

134. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हालांकि सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारकों से यह पता नहीं चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति इन कारकों से हुई है। तथापि, निम्नलिखित मापदंडों से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है:-

- क. आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से कम थी। कीमत कटौती के परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं ने बड़ी मात्रा में आयात किया जिससे आयातों में समग्र रूप में वृद्धि हुई।
- ख. जांच अवधि में घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई और संबद्ध आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई तथा आयातों में यह वृद्धि मांग में हुई वृद्धि से काफी अधिक है।

ग. आयातों के कारण घरेलू बाजार में कीमत में भारी कटौती हो रही थी। परिणामतः घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में ऐसी स्थिति में गिरावट आई जब उत्पाद मांग में वृद्धि हुई थी।

घ. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा और बाजार हिस्से में गिरावट के परिणामस्वरूप जांच अधिकारी में घरेलू उद्योग का उत्पादन धटा। परिणामतः घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में भी गिरावट आई।

ड. आयातों की पहुंच कीमत के कारण घरेलू उद्योग की कीमत में कटौती हो रही थी। कीमत कटौती तथा संबद्ध देशों से आयातों की अत्यधिक मात्रा के कारण घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से और समग्र लाभप्रदता में गिरावट आई है।

135. अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि संबद्ध पाटित आयातों के कारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 11 और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 3.5 के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग को सतत क्षति हुई है।

136. क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु संबद्ध वस्तु की क्षति रहित कीमत की तुलना दोनों संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के निर्यातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है। क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार की गई है:-

देश	चीन जन.गण.	चीनी ताइपेई
उत्पादक	चोंगहोंग प्लास्टिक्स	अन्य
	अम.डॉ./किग्रा.	अम.डॉ./किग्रा.
सीआईएफ	***	***
पहुंच मूल्य	***	***
एन आई पी	***	***
क्षति मार्जिन	***	***
क्षति मार्जिन %	***	***
क्षति मार्जिन रेंज %	25-35%	35-45%
		25-30%

परिवर्तित परिस्थितियों का स्थायी स्वरूप और पाटन तथा क्षति जारी रहने की संभावना

ड6.1 घरेलू उद्योग के विचार

137. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि वर्तमान स्वरूप में पाटनरोधी शुल्क जारी रखे जाने की स्थिति में पाटन और घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने की संभावना है।

138. यह अनुरोध किया गया है कि संबद्ध देशों से आयातित उत्पाद और घरेलू समान उत्पाद की कीमत में वर्तमान और भावी अंतर काफी अधिक है और इसीलिए आयात की मांग बढ़ने की संभावना है।

139. कीमत में भारी अंतर और आयातों में परिणामी संभावित वृद्धि का घरेलू कीमत पर अत्यधिक हासकारी प्रभाव पड़ रहा है।

140. संबद्ध निर्यातकों के पास पर्याप्त मुक्त रूप से निपटान योग्य क्षमता है जिससे किसी अतिरिक्त निर्यात को खपाने के लिए अन्य निर्यात बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भारतीय बाजारों को पाटित निर्यातों में अत्यधिक वृद्धि किए जाने की संभावना है।

141. मूल जांच अवधि और वर्तमान जांच अवधि के बीच हुए आयातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि से सतत पाटन तथा घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति की स्पष्ट तौर पर पुष्टि होती है।

142. भारतीय बाजार में संबद्ध देशों द्वारा धारित उच्च बाजार हिस्से तथा घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि से स्पष्टतः पाटन जारी रहने की संभावना की पुष्टि होती है।

143. संबद्ध देशों में उत्पादक और निर्यातक अत्यधिक निर्धातोन्मुखी हैं जिससे पता चलता है कि निर्यातकों द्वारा पाटित कीमतों पर निर्यात जारी रखे जाने की संभावना है।

ड6.2 मैं. चांगहोंग प्लास्टिक्स के विचार

144. यह समीक्षा नियम 23 के अंतर्गत यथायेक्षित परिवर्तित परिस्थितियों को न्यायोचित ठहराने के लिए अपर्याप्त सूचना के आधार पर शुरू की गई है। पहली दो यांत्रिकाओं में ऐसी कोई सूचना नहीं दी गई थी जिससे परिस्थितियों में परिवर्तन का पता चलता हो। यह दायर की गई तीसरी याचिका है जिसमें परिवर्तित परिस्थितियों के कारकों के बारे में सूचना प्रदान की गई है।

145. दिशा निर्देशों में किए गए प्रावधानों के अनुसार घरेलू बिक्री हेतु कीमत सूचियों, वास्तविक बीजक जैसे साक्ष्य प्रदान नहीं किये गए हैं। परिवर्तित परिस्थितियों के प्रदर्शन के साथ नियम 23 के अंतर्गत उल्लिखित "सकारात्मक सूचना" अनिवार्यतः तथ्यपरक होनी चाहिए।

146. मूल जांच की तुलना में पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में भारी गिरावट आई है और माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उद्ग्रहीत शुल्क उसके लागू होने के बांछित प्रभाव के लिए न्यायोचित है।

ड 6.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

147. प्राधिकारी की परंपरानुसार इस बात की जांच की गई थी कि क्या परिवर्तित परिस्थितियों को स्थायी स्वरूप की कहा जा सकता है अथवा क्या पाटनरोधी शुल्क में संशोधन न किए जाने पर और अधिक पाटन तथा क्षति होने की संभावना होगी। जांचोपरांत यह नोट किया गया था कि घरेलू उद्योग को पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बावजूद संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के सतत पाटित आयातों के कारण वास्तविक क्षति हो रही है। हालांकि घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण आयत कीमत में पर्याप्त वृद्धि कृत्रिम है। तथापि, यह नोट किया जाता है कि आयात कीमत में पर्याप्त वृद्धि पर विचार किए जाने के बाद भी वर्तमान जांच में पाया गया पाटन मार्जिन काफी अधिक है। जांच अवधि के दौरान दोनों संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पाटित आयात अत्यधिक रहा है। पूर्ववर्ती जांच अवधि के बाद आयात मात्रा में भारी वृद्धि हुई है। कीमत कटौती का वर्तमान स्तर काफी अधिक है। पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी

घरेलू उद्योग ने अत्यधिक बिक्री मात्रा गंवाई है जबकि यह आशा थी कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण घरेलू उद्योग का प्रतिस्पर्धा का समान अवसर उपलब्ध होगा। यह भी नोट किया जाता है कि यदि विशिष्टतायुक्त ग्रेडों को अलग कर दिया जाए (आयात आंकड़ों से ऐसे ग्रेड के किसी आयात का पता नहीं चलता है) तो घरेलू उद्योग को प्रचालन निष्पादन में गिरावट का सामना करना पड़ेगा। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए यह नोट किया जाता है कि परिवर्तित परिस्थितियां स्थायी स्वरूप की हैं।

पाटन एवं क्षति जारी रहने की संभावना के बारे में निष्कर्ष

प्राधिकारी पाटन एवं क्षति जारी रहने की संभावना के बारे में निष्कर्ष निकालते हैं कि :

148. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में लगातार वृद्धि हुई है।
149. क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों की मात्रा में भारी वृद्धि देखी गई है। इसके अलावा, क्षति अवधि के दौरान कुल मांग में संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के हिस्से में वृद्धि हुई है जबकि इसी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है। क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट काफी अधिक मानी गई है।
150. पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही है।
151. संबद्ध वस्तु के आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत तथा क्षति रहित कीमत से काफी कम है।
152. उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग को अत्यधिक कम क्षमता उपयोग का सामना करना पड़ा है।
153. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भी आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई है।
154. दिनांक 31 अक्टूबर, 2008 से संदर्भ कीमत के रूप में पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने कारण संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु की सी आई एफ कीमत और पहुंच गूल्य में उल्लेखनीय परिवर्तन (इजाफा) हुआ था। तथापि, पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत से काफी कम बनी रही जिसके परिणामस्वरूप कीमत में अत्यधिक कटौती हुई। इसके अलावा, यह नोट किया जाता है कि यदि विशिष्टतायुक्त ग्रेडों को अलग कर दिया जाए (आयात आंकड़ों से ऐसे ग्रेड के किसी आयात का पता नहीं चलता है) तो घरेलू उद्योग को प्रचालन निष्पादन में गिरावट का सामना करना पड़ेगा। संबद्ध देशों से रांबद्ध वस्तु का आयात न केवल पाटित कीमत पर जारी है अपितु उसकी मात्रा में भी वृद्धि हुई है।
155. यह नोट किया जाता है कि मूल जांच के समय जो परिस्थितियां विद्यमान थीं वे आज की तारीख तक उसी रूप गे विद्यमान हैं। परिस्थितियों में ऐसा कोई खास परिवर्तन नहीं हुआ है जिससे यह संकेत गिल सके कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में पाटन में गंभीर स्तर तक बढ़ोत्तरी होगी।

156. संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु की पर्याप्त उत्पादन क्षमताओं और उनके निर्यात अभिमुखीकरण तथा भारत में संबद्ध वस्तु की बढ़ती हुई मांग पर विचार करते हुए पाटनरोधी शुल्क में किसी कमी या उसकी समाप्ति से इस बात की प्रबल संभावना है कि घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले आयातों में वृद्धि हो सकती है।

157. लागू पाटनरोधी शुल्क पर विचार किए बिना सकारात्मक कीमत कठौती और कमी कीमत पर बिक्री से लागू पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग पर पाठित आयातों का प्रतिकूल कीमत प्रभाव पड़ने की संभावना का पता चलता है।

158. अतः यह नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से पाठित आयातों के सतत खतरे का सामना करना होगा।

भारतीय उद्योग का हित

159. पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य सामान्यतः उस पाटन को समाप्त करना है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है और भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल करना है जो देश के सामान्य हित में है।

160. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध वस्तु के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामतः इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। तथापि, पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से पाटन के व्यवहार द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त होंगे, घरेलू उद्योग का हास रुकेगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध रखने में मदद मिलेगी।

161. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लागू किए जाने से संबद्ध वस्तु से आयात किसी भी रूप में सीमित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ता अभी भी दो या उससे अधिक आपूर्ति के स्रोत रख सकते हैं।

सिफारिशें

162. विधि प्रावधानों, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना, उनके द्वारा किए गए अनुरोधों तथा उपर्युक्त जांच परिणाम में यथा दर्ज प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों को ध्यान में रखते हुए और पाटन जारी रहने तथा घरेलू उद्योग को परिणामी क्षति होने और पाटन एवं जारी रहने की संभावना की स्थिति के उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

क. भारतीय बाजार में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु पाठित कीमतों पर प्रवेश कर रही है और पाटन मार्जिन काफी अधिक है। यह भी देखा गया है कि पाटनरोधी शुल्क मौजूद होने के बावजूद भारत को पाठित कीमत पर संबद्ध वस्तु का निर्यात जारी है और मौजूदा पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में इसके जारी रहने की संभावना है।

ख. पाटनरोधी शुल्क के बिना संबद्ध देशों से कीमत कटौती और कम कीमत पर विक्री काफी अधिक है। जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के सतत पाटन के कारण वास्तविक क्षति जारी रही है और पाटनरोधी शुल्क समाप्त किए जाने की स्थिति में घरेलू उद्योग के प्रचालन निष्पादन में गिरावट आने की संभावना है।

ग. पाटनरोधी शुल्क को जारी रखना और उसमें संशोधन करना अपेक्षित है।

163. प्राधिकारी यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना अपेक्षित है। प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन मार्जिन का उल्लेख उपर्युक्त पैराग्राफ में किया गया है। प्राधिकारी पाटन मार्जिन के बराबर या उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करते हैं जिसे यदि लागू किया जाएगा तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। क्षति मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना क्षति अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के साथ की गई है।

164. जहां तक शुल्क संरचना का संबंध है, मामले की वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखते हुए और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिए गए तर्कों, प्रदत्त सूचना और किए गए अनुरोधों पर विचार करते हुए पाटनरोधी शुल्क के नियत स्वरूप की सिफारिश करना उचित माना जाता है। तदनुसार, प्राधिकारी यह उचित मानते हैं कि संबद्ध देशों के मूल की या वहां से निर्यातित सीमाशुल्क शीर्ष 39 के अंतर्गत आने वाली केबल टाईज के सभी प्रकारों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए केन्द्र सरकार को सिफारिश की जाए। निम्नलिखित देशों के मूल की या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के लिए पाटनरोधीशुल्क कॉलम 9 में उल्लिखित राशि होगी।

क्र. सं	उप शीर्ष	वस्तु का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	3926 90	केबल टाईज	कोई	चीन जन.गण.	चीन जन.गण.	मै. चांगहोंग प्लास्टिक्स ग्रुप कं., लि.	मै. चांगहोंग प्लास्टिक्स ग्रुप कं., लि.	2.21	प्रति किग्रा.	अम. डॉ.
2	3926 90	केबल टाईज	कोई	चीन जन.गण.	कोई	मै. चांगहोंग प्लास्टिक्स ग्रुप कं., लि.	कोई	2.81	प्रति किग्रा.	अम. डॉ.
3	3926 90	केबल टाईज	कोई	चीन जन.गण.	कोई	मै. चांगहोंग प्लास्टिक्स ग्रुप कं., लि. से इतर कोई	कोई	2.81	प्रति किग्रा.	अम. डॉ.
4	3926 90	केबल टाईज	कोई	चीन जन.गण. तथा ताइवान से इतर अन्य कोई देश	चीन जन.गण.	कोई	कोई	2.81	प्रति किग्रा.	अम. डॉ.
5	3926 90	केबल टाईज	कोई	ताइवान	कोई	कोई	कोई	2.35	प्रति किग्रा.	अम. डॉ.
6	3926 90	केबल टाईज	कोई	ताइवान तथा चीन जन.गण. से इतर अन्य कोई देश	ताइवान	कोई	कोई	2.35	प्रति किग्रा.	अम. डॉ.

165. केन्द्र सरकार के आदेश के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के अनुसार, सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण में दायर की जा सकेगी।

166. प्राधिकारी अधिनियम के संगत उपबंधों और इस संबंध में जारी सार्वजनिक सूचनाओं के अनुसार इसमें यथासंस्तुत शुल्क को जारी रखने, उसमें संशोधन करने या उसे समाप्त करने की जरूरत की समय-समय पर समीक्षा कर सकते हैं। प्राधिकारी द्वारा ऐसे किसी समीक्षा हेतु कोई अनुरोध तब तक स्वीकार नहीं किया जाएगा जब तब कि उसे इस प्रयोजनार्थ निर्धारित समय सीमा के भीतर किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा दायर न किया गया हो।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd October, 2012

Midterm Review

Subject : Mid term review of anti dumping duty imposed on imports of Cable Ties from China PR and Chinese Taipei—Final findings.

F. No. 15/10/2011-DGAD.—BACKGROUND OF THE CASE

Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended (hereinafter referred to as Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 as amended (hereinafter referred to as Rules), the Designated Authority (hereinafter referred to as Authority) initiated a midterm review of antidumping duty imposed on cable ties from China PR and Chinese Taipei on 4th October, 2011 to review the need for continued imposition of anti dumping duty, and whether the form and quantum of anti dumping duty is required to be modified in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and AD Rules. It may be recalled that the original investigation was initiated on 1st January, 2008 against imports of Cable Ties originating in or exported from China PR and Chinese Taipei. The provisional antidumping duty was imposed on imports of Cable Ties from the subject countries vide Customs notification no. 118/2008-CUS dated 31st October, 2008 on the basis of the preliminary findings of the Authority issued on 23rd September, 2008 vide Notification No14/10/2007-DGAD. The final findings was notified vide notification dated 31st March, 2009 and the Department of Revenue imposed definitive anti dumping duties on the subject goods from above subject countries vide notification no. 44/2009-CUS dated 30th April, 2009.

2. And whereas the Rules require the Authority to review, from time to time, the need for continued imposition of Anti-Dumping Duty and if it is satisfied, on the basis of positive information received by it that there is no justification for continued imposition of such duty, the authority may recommend to the Central Government for its withdrawal. In terms of the above provision, the Designated Authority, received an application filed by M/s. Surelock Plastics Pvt. Ltd. representing domestic industry which substantiated the need for midterm review of the anti dumping duty imposed on the subject goods originating in or exported from the subject countries and requested for enhancement / revision of the anti dumping duty imposed on subject goods. The domestic industry,

amongst the various grounds submitted by them, submitted that with the imposition of antidumping duties in the current form, import price has increased substantially and artificially to a level where imports are being reported at a price close to the benchmark so that no antidumping duties is payable thereby making the current antidumping duties ineffective. Further, it was contended that there is significant increase in the input raw material prices. With increase in the input price, the normal value has increased substantially and the product is being exported at dumping prices. The dumping margin at current export price is significant. It was submitted that the imports of subject goods from subject countries are causing injury to the domestic industry and the landed price of imports is significantly below the non injurious price. The injury margin is significantly positive at the current landed price of imports. It was further submitted that there is a significant change in the exchange rate and the existent measure has not achieved the intended result of removing the injury previously established and both the dumping margin and injury margin are significantly positive.

3. This change in circumstances was considered appropriate to initiate a review. Having decided to review the final findings notified vide Notification No 14/10/2007-DGAD dated 31st March, 2009, the Authority initiated the investigations on 4th October 2011 in terms of under the provisions of Section 9A(5) of the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 as amended read with Rule 23 of Anti Dumping Rules to review the need for continued imposition of anti dumping duty, and whether the form and quantum of anti dumping duty is required to be modified in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and AD Rules.

Procedure

4. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
5. After initiating the review, the Authority sent questionnaires, along with the initiation notification, to all known producers and/or exporters in the subject countries in accordance with the Rule 6(4) to elicit relevant information.

S.N.	Name of Company	Country
1	Hua Wei Industrial Co.Ltd. (Giantlok)	China PR
2	(Yueqing) Gaulin (Huaxin) Electric Appratus Factory	China PR
3	Power Industry Part Book Enterprice	China PR
4	Co- Talent n Limited (CTNL)	China PR
5	Kaygo Plastics Manufacturing Co. Ltd.	China PR
6	Zhejiang Giujing Meters Co. Ltd.	China PR
7	Yueging Qiligang Plastics Manufacturers Co.ltd.	China PR
8	Wenzhou Yongji Electric Equipments	Chinese Taipei
9	V.Y.Cables Accessories Co. Ltd.	Chinese Taipei
10	Kai Sun Suh Enterprise Co. Ltd.	Chinese Taipei
11	Giantlok I, Taichung	Chinese Taipei
12	AVC, Kaoshiung City	Chinese Taipei

6. M/s. Changhong Plastics Group Co. Ltd., a producer and exporter of subject goods from China PR has filed response to questionnaire in the form and manner prescribed. No other exporter from subject countries have responded.
7. The Chinese Embassy and the Chinese Taipei Cultural Centre in New Delhi were informed about the initiation of the investigation, in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers in their country to respond to the questionnaire within the prescribed time.
8. The relevant questionnaires were sent to known importers, consumers, industrial users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4).

S.N.	Name of Company
1	Krishna Electronics, Kolkatta
2	Anandi International , Kolkatta
3	Multi Impex, Chennai
4	P.S. Enterprise, Kolkatta
5	Sumati Chand Bothra, Kolkatta
6	Wire & Cable Corporation, New Delhi
7	Choudhary International, Delhi
8	B.B. Corporation, Chennai
9	Hirawat Marketing Services, Kolkatta
10	Jeetendra Kumar Modi, Kolkatta
11	Shah Enterprises, Mumbai
12	Krishna Commercial Corpn.Chennai
13	Pranav Electricals, Vadodara
14	Modi Industrial Interface, Bangalore

9. However, none of these parties mentioned above filed any response to questionnaire in the form and manner prescribed.
10. Arguments raised and information/evidence provided by the interested parties during the course of the investigation, to that extent the same are considered relevant to the present investigation, have been appropriately considered by the Authority.
11. Investigation was carried out for the period starting from 01.04.2010 to 31.03.2011 (POI). However, injury examination was conducted for a period from 2007-08 to the end of POI.
12. Request was made to the Director General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S), Kolkata to arrange details of imports of subject goods in India for the period

of investigation and preceding three years. Information was received from the DGCI&S and the same has also been examined by the Authority.

13. The Authority provided copies of the non-confidential version of the application to the known producers and/or exporters, the representatives of the Chinese Embassy and the Chinese Taipei Cultural Centre in accordance with Rules 6(3) supra. A copy of the non-confidential application was also made available for other interested parties, wherever requested.
14. Exporter response was received from one exporter from China PR, M/s. Changhong Plastics Group Co. Ltd. However, no response to the initiation notification was received from any exporter or producer of the subject goods in Chinese Taipei.
15. The Authority held an oral hearing on 5th March, 2012 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance to Rule 6(6). The parties attending the oral hearing were advised to file written submissions of the information presented orally. The interested parties were allowed to present rebuttal arguments on the views/information presented by other interested parties. The Designated Authority has considered submissions received from the interested parties appropriately.
16. The Authority during the course of investigation satisfied itself as to the adequacy and accuracy of the information supplied. For that purpose, the Authority conducted on-the-spot verification of the domestic industry and producers/exporters to the extent considered relevant and necessary. Additional/ supplementary details regarding injury were sought from the domestic industry, which were also received.
17. In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been considered in this final findings. Following the issuance of the disclosure statement, the comments have been received from domestic industry as well as the responding exporter from China PR i.e M/s CHS. The comments made by these interested parties have been examined under the appropriate headings in this final findings.
18. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by the interested parties through a public file maintained by the Authority and kept open for inspection by the interested parties as per Rule 6(7).
19. Cost investigations were conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the applicant so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
20. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigations, or has significantly impeded the investigation, the Authority has recorded its analysis on the basis of the facts available.
21. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted and such information has been considered

confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

22. *** in the represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.

PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE:

23. The product involved in the original investigation and in the present midterm review investigation is "Cable Ties". As per the original investigation carried out by the Designated Authority the product has been defined as under. The scope of the product under consideration is the same in the present review.

"The product under consideration in the present petition is Cable Ties. Cable Ties consists of sturdy nylon tape with an integrated gear rack and on one end a ratchet within a small open case. This is an economical and versatile method of Cable/Wire bunching systems. Cable Ties are known by several names e.g. non-releasable or releasable (reusable) tags, straps, zip ties, tie wrap, rat belt etc. and produced & sold in different sizes as per requirement of the customers. Cable Ties are a one piece moulded mechanism with no metal barbs or cumbersome wedges having fastening and self locking device. Once a non-releasable cable tie is pulled through, it prevents from being pulled back allowing tighter pulling only. Cable ties are generally single use devices. However reusable Cable Ties are also produced according to the demand of the customers."

C.1 Views of the Importers, Consumers, Exporters and Other Interested Parties

24. None of the importers, consumers, exporters and other interested parties has filed any comment or submissions with regard to product under consideration, and like articles.

C.2 Views of the Domestic Industry

25. The product under consideration in the present investigations is cable ties. Cable ties are generally viewed as single-use devices. However, if a closed loop needs to be opened again, then, rather than destroying the cable tie by cutting, it may be possible to release the ratchet from the rack to reuse the cable tie. While some cable ties are designed for reuse with a table that releases the ratchet, in most cases a sewing needle or similar object (for example a small screwdriver) will need to be interposed between the ratchet and the rack. The product under consideration has found significant use in departmental stores for fastening plastic bags. The cable ties are produced and sold in various length, width and thickness. These are known by several names. However, normally these are described as Non Releasable, Releasable (Reusable) Tag Type, Releasable (Reusable) Tag Type Double lock type etc. for more variety. Cable Ties are classified in Chapter 39 of the Customs Tariff Act under subheading 39269010 of the Customs Tariff Act, 1975. However, the customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

C.3 Examination By The Authority

26. The product under consideration in the present petition is Cable Ties. Cable Ties consists of sturdy tape with an integrated gear rack and on one end a ratchet within a small open case. This is an economical and versatile method of Cable/Wire bunching systems. Cable Ties are known by several names e.g. non-releasable or releasable (reusable) tags, straps, zip ties, tie wrap, rat belt etc. and produced & sold in different sizes as per requirement of the customers. Cable Ties are a one piece moulded mechanism with no metal barbs or cumbersome wedges having fastening and self locking device. Once a non-releasable cable tie is pulled through, it prevents from being pulled back allowing tighter pulling only. Cable ties are generally single use devices. However, reusable Cable Ties are also produced according to the demand of the customers. The product under consideration in the present midterm review is the same as has been held by the Designated Authority in the previous investigations.

27. Cable Ties are classified under chapter 39.26 of the Customs Tariff Act, 1975, under Subheading 3926.9010. The customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigations and proposed measures.

28. The petitioner claimed that there is no significant difference in the subject goods produced by the domestic industry and exported from the subject countries and therefore are like article within the meaning of Rule 2(d) of AD Rules. It has been stated that the subject goods produced by the domestic industry are comparable to the imported ones from subject countries in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Both are technically and commercially substitutable and hold close resembling characteristics. It has been claimed that the consumers have used the two interchangeably.

29. The responding exporters have not made any submissions disputing the claim of the petitioner and previous determination of the Designated Authority in this regard.

30. Rule 2(d) of the Anti-dumping Rule specifies that like article means an article, which is identical and alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an article, another article having characteristics closely resembling those of the articles under examination.

31. After due examination, the Authority proposes to hold that Cable Ties produced by the domestic industry has same characteristics as those of Cable Ties imported from the

subject countries. Investigation conducted by the Designated Authority has not shown any difference in the two products. In view of the same, the Authority holds that Cable Ties produced by the domestic industry is like article to Cable Ties being imported from the subject countries within the meaning of the rules.

D. DOMESTIC INDUSTRY

32. The petition was filed by M/s. Surelock Plastics Pvt. Ltd. There are three other producers of cable ties in the country, M/s. Blackburn & Co. Pvt. Ltd., M/s. Novoflex Marketing and M/s. Flucon Enterprises. While, M/s. Blackburn & Co. Pvt. Ltd. has supported the petition; petitioner claimed that M/s. Novoflex Marketing and M/s. Flucon Enterprises have shut down production.

D.1 Views Of Domestic Industry

33. M/s. Blackburn & Co. Pvt. Ltd. has supported the petition. Further, M/s. Novoflex Marketing and M/s. Flucon Enterprises have shut down production. Thus, the petitioner's production constitutes a major proportion in Indian production. The petitioner therefore constitutes domestic industry within the meaning of the Anti Dumping Rules.

D.2 Views of the Exporters, Importers, Consumers and Other Interested Parties

34. None of the importers, consumers, exporters or other interested parties have made any comment or submissions with regard to the standing of the petitioner and its consideration as domestic industry.

D.3 Examination by the Authority

35. Rule 2 (b) of the AD rules defines domestic industry as under:

"(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers"

36. The review investigation has been initiated on the basis of a duly substantiated request submitted by M/s. Surelock Plastics Pvt. Ltd. Mumbai in terms of Rule 23 of the Rules. The petitioner stated that there are three other producers of subject goods in India, namely M/s. Blackburn & Co. Pvt. Ltd. M/s. Novoflex Marketing and M/s. Flucon Enterprises. M/s. Blackburn & Co. Pvt. Ltd. has supported the petition. However, the company has not provided information relevant to injury determination. Petitioner's claim that M/s. Novoflex Marketing and M/s. Flucon Enterprises have shut down production has remained unrefuted. These companies have not responded to the Designated Authority.

37. No comments have been received from any interested party disputing the claim and status of the petitioner. The investigation has not shown that the applicant does not satisfy the requirement of standing or the applicant does not constitute domestic industry. The information available on records establishes that the production of the petitioner constitutes a major proportion in Indian production and no other domestic producer has provided relevant information despite opportunity having been provided to them. The Authority therefore holds that the petitioner constitutes domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the rules supra.

D.4 Other issues

38. During the course of the investigation, the data received from DGCI&S was examined and analyzed. It is noted that there volume of imports reported by DGCIS is significantly lower than compared to IBIS. The Authority have therefore, considered IBIS data for its analysis and determination. A comparison of IBIS and DGCIS is given below:

	DGCIS			IBIS		
	Volume MT	Value Rs. Lacs	Price Rs. KG	Volume MT	Value Rs. Lacs	Price Rs. KG
China	410	1,010.75	246	649	1,688.79	260
Taiwan	172	393.82	229	428	1,151.37	269
Subject countries	582	1,404.57	241	1,077	2,840.16	264
Other Countries	156	473.04	302	30	66.66	224
Total Imports	739	1,877.61	254	1,107	2,906.82	263

Other issues raised by responding exporters are as follows:

39. It has been submitted that review has been initiated on the basis of insufficient information to justify changed circumstances as required under Rule 23. First two petitions did not provide any information which showed change in the circumstances. It is the third petition filed, which provided the information as regards the factors for changed circumstances.

40. It has also been submitted that paper book handed over during the oral hearing contained a further revised injury statement. It has also been submitted that proforma IV-A shows that the data within 5 months of the investigation period was not firmed up to justify it being accurate and adequate data submitted.

41. Evidence such as price lists for domestic sales, actual invoices, as provided in the guidelines has not been provided. "Positive information" as mentioned under Rule 23 must necessarily be qualified with a demonstration of changed circumstances.
42. There has been a significant decline in the dumping margin and injury margin as compared to the original investigation.
43. The data as provided in the first two petitions was completely blank without providing any reasons for its confidentiality. Even in the updated petition, injury information is kept confidential excessively to the extent that even basic factors like demand and market share are impossible to discern.
44. Change in the exchange rate has led to the prices of imports being affected but the same cannot be considered a direct issue while initiating a mid-term review. A policy decision relating to exchange rates is not anywhere connected to the changed circumstances of dumping. If the Domestic Industry was concerned with the form of duty, the approach was to file an appeal before the CESTAT.

Submissions by the domestic industry

45. The domestic industry had requested specific/fixed quantum of anti dumping duty expressed in US\$. Despite the request by the domestic industry, variable form of duty was recommended which is ineffective.
46. Significant increase in raw material prices has led to increase in export price because of increase in cost. However reference price remained same, and therefore anti dumping duty has become totally ineffective.
47. With the imposition of anti-dumping duties in the current form, import price has overnight increased substantially and artificially to such levels that imports have been reported at a price close to the benchmark, so that no anti-dumping duties is payable.
48. The product continues to be imported at significant dumping prices. Volume has significantly increased after the investigation period.
49. M/s Changhong Plastic Co. Ltd's submission of the non confidential version of questionnaire response has been merely made as a formality. The response virtually keeps all the informations confidential, thereby preventing the petitioner from making effective submissions and violating the principles of natural justice.
50. M/s Changhong Plastic Co. Ltd was established in the year 1980 and every company established in that time frame was under the Chinese Governments control. Therefore, the Authority is requested to reject the MET claim.
51. Mere change in the name of the company does not imply that the Company has no more intervention from the Chinese Government.
52. Cable Ties are classified in Chapter 39 of the Customs Tariff Act under subheading 39269010. However, the customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

53. There is no significant difference in cable ties produced by the Indian industry and cable ties exported from the subject countries.

54. Petition has been filed by M/s Surelock Plastics Pvt. Ltd., a major producer of the subject goods in India. There are four other producers of cable ties in the country. M/s. Blackburn & Co. Pvt. Ltd. has supported the petition. Further, M/s. Novaflex Marketing and M/s. Flucon Enterprises have shut down production.

55. Petitioner has determined normal value for China and Taiwan on the basis of cost of production in India, duly adjusted.

56. The dumping margin in case of both the subject countries is not only significant, but also substantial.

57. The present and potential difference in the prices of imported product and domestic product is very significant and is therefore likely to increase demand for imports;

58. Significant price difference and consequent potential increase in imports is having significant depressing effect on domestic prices.

59. Subject exporters are holding significant freely disposable capacity indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian market.

60. Dumping margins has been determined in all previous investigations relating to the product concerned.

61. Significant price undercutting exists on comparison of the landed price of imports, even after inclusion of anti dumping duty, with that of the selling price of the Domestic Industry.

62. Continued presence of dumped imports has prevented the domestic industry from recovering from past effects of dumping. In the event of withdrawal of current antidumping duty, the domestic industry will have to either decrease the selling price by the amount of ADD or will maintain the current selling price. In either case, it will suffer material injury.

63. At the time of initiation, the requirement is "evidence warranting initiation." Application is required for initiation and not to make determination. Furthermore, it is a settled principle of law that the anti dumping investigation is such where the quality and quantity of evidences improves with the course of investigation.

64. Owing to the complexities involved in the conversion of data, the petitioner has considered only such transactions from import data, as obtained from IBIS, where weight were mentioned in kgs and have ignored other imports.

65. In a review investigation, existence of positive dumping margin and injury margin itself shows sufficient change in parameters warranting a review investigation

66. The Authority examined the submission of the responding exporter and holds as follows –

67. The Authority holds that the petition contained sufficient information and evidence to justify initiation of midterm review. It is further noted that "positive information substantiating the need for review" is sufficient for undertaking review. Information

required for making the determination need not be presented in petition forming basis for review.

68. It is noted that the petitioner did not file three petitions. The petitioner had filed the petition as per the prescribed format for midterm review. During the course of examining the petition, the Authority asked for certain information which was submitted by the petitioner. On initiation, the Authority addressed the petitioner and other Indian producers to provide information relevant to the investigations. The petitioner therefore provided detailed information on product under consideration, like article, scope of the domestic industry, dumping, injury and causal link; for which the petitioner used the contents of application proforma prescribed by the Authority. This however does not constitute "petition" within the meaning of Rule 23. This constitutes information provided by the petitioner/domestic industry within the meaning of Rule 5.

69. The Authority notes that the quality and quantity of evidence improves as an investigation progresses. Further, audit of financial statements subsequent to initiation may imply changes in the financial position necessitated by audit of the financial statements.

70. With regard to evidences in the form of price lists for domestic sales, actual invoices, Authority notes that the petitioner claimed that such information is not in public domain and claimed confidentiality on those information.

71. With regard to the argument that dumping margin and injury margin have declined and therefore the anti dumping duty is serving its intended purpose, it is noted after examining the application filed by the petitioner, the Authority initiated the investigations in terms of under the provisions of Section 9A(5) of the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 as amended read with Rule 23 of Anti Dumping Rules to review the need for continued imposition of anti dumping duty, and whether the form and quantum of anti dumping duty is required to be modified in accordance with the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995 and AD Rules.

72. As regards insufficient disclosures in the petition, the Authority notes that the argument of the exporter was examined and the petitioner was directed to disclosure information appropriately. The petitioner complied with the direction and provided revised non confidential version containing therein sufficient disclosures. The Authority notes that revised non confidential version of the petition contain sufficient disclosures in accordance with the law.

73. With regard to the contention that change in exchange rate cannot justify a midterm review, it is noted that change in exchange rate can lead to changes in export price, landed price as well as changes in the prices of raw material and non injurious price. Thus, both dumping margin and injury margin can change as a result of changes in exchange rate.

74. With regard to form of duty and alleged over invoicing, the Authority has considered the facts of the present case for the decision on whether the form of measure is required to be modified.

E. DUMPING MARGIN

75. Under section 9A(1)(c) normal value in relation to an article means:

- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or
- (ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either
 - (a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
 - (b) the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

E.1 Views of Domestic Industry

76. The views of the domestic industry in this regard are as follows:

- i. China should be treated as a non-market economy country. Normal value in case of China should be determined in accordance with para-7 Annexure-I to the Rules.
- ii. Petitioner has claimed normal value for Taiwan on the basis of cost of production in India, duly adjusted; as none of the exporters from Taiwan have responded to the current investigation and no other reliable information is available.
- iii. Import prices were artificially raised to avoid payment of anti-dumping duties. Further, the petitioner has requested the Authority to check with Ministry of Finance whether in fact the customs port authorities have taken any steps to verify genuineness and correctness of the import price. Petitioner believes that the increases in import price is totally artificial and is intended to avoid payment of anti-dumping duties.

E.2 Views of Changhong Plastics

77. The views of the responding exporter in this regard are as follows:

- i. The domestic industry has determined export price on the basis of weighted average relying on the transaction wise export data. The export data provided shows the import quantities in different units of measurement. As there is no uniformity in the units of

measurement, it is unclear as to what formula has been used so as to standardize the data and to calculate the dumping margin.

ii. The import data ignores the subject country i.e. Taiwan. Further, it also ignores the imports made by subject countries in bags, bundles, dozens, pcs. etc., Therefore, the import data being relied upon by the Petitioner itself remains deficient and incomplete.

E.3 Examination by the Authority

78. With regard to the argument that the import data is presented in several units of measurements and the conversion of the same is not clear, it is clarified that the majority of transactions (90% by value) in the investigation period were reported on weight basis for customs clearance and therefore no conversion into weight was required in these transactions. Moreover, the responding exporter has invoiced the goods on weight basis and has provided information on weight basis.

Examination of Market Economy claims in respect of Changhong Plastics Group Co. Ltd.

79. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as non-market economy country in the anti-dumping investigations by other WTO Members. Therefore, in terms of Para 8 (2) of the annexure 1 of AD rules, China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the above presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the above Rules for the purposes of final finding.

80. As per Paragraph 8 of the Annexure 1 to the Anti Dumping Rules as amended, the presumption of a non-market economy can be rebutted if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) in Paragraph 8 and establish to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Designated Authority to consider the following criteria as to whether:-

- a. The decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labor, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
- b. The production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;

- c. Such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
- d. The exchange rate conversions are carried out at the market rate.

81. The Authority notes that responding producers/exporters of the subject goods from China PR have submitted their questionnaire responses and responding exporter submitted response to the market economy questionnaire consequent upon the initiation notice issued by the Authority and have sought to rebut the non-market economy presumption. The questionnaire response and the market economy response of the responding producer have been examined for determination of normal value of the responding producer of the subject goods from the subject country as follows.

82. M/s Changhong Plastics Group Co., Ltd (CHS or the Company) is a private limited liability company which is established under the Company Law of the People's Republic of China. It is noted that for a long time including the investigation period ("IP"), the Company is called "Changhong Plastics Co., Ltd". On ***, CHS's shareholders' meeting resolved to change its name to the current name. It is noted that the shareholders of CHS are 2 natural persons, *** and ***. It was submitted that CHS formed subsidiary company, i.e. *** which was established on Aug. ***, but it started this business in ***. It was submitted during the verification that as per the development strategy of the group, in the near future, CHS will transfer all of its production facilities including the production facilities of the subject goods to Anhui Perry. However, during the POI, only CHS is engaged in the manufacturing and sale of the subject goods.

83. During examination, it is noted that CHS does not have any contract link or joint venture with any other business entity regarding the development, production, sale or distribution of the subject merchandise. It is also noted that CHS does not acquire a significant amount of major input from any single supplier. It was submitted during the verification that CHS does not have any exclusive relationship with any supplier, distributor or reseller, and all purchases are made at prevailing market price.

84. It was submitted that the suppliers of utilities are the local suppliers in Yueqing city, who also supply other companies in Yueqing city. None of these suppliers are affiliated with CHS. CHS purchases the utilities from them at prevailing market prices. It was submitted that the employees of CHS are recruited directly from the society. During verification, the company was requested to make available the originals as well as backup copies of the documents regarding sourcing of equity capital by the promoters and procurement of machinery by the company. The company was also requested to furnish the details including purchase consideration for transfer of its business unit to the subsidiary company M/s Anhui Perry and Co. However, during the course of the verifications, the company expressed its inability to make available the relevant documents stating that the concerned officials of the accounts department are not available. In view of the fact that the original records of the company were not made available, the submissions made by the producer and exporter M/s CHS remain unverified and hence M/s CHS claim for market economy has not been accepted by the Authority.

Normal Value for CHS and Non-Cooperating Exporters in China PR

85. No other producer/exporter from China PR except CHS has responded to the Authority. Information on imports of the product under consideration reported in Indian customs data and exports from CHS shows that there were significant imports of the product under consideration during the POI. Evidently, subject goods have been exported by other exporters from China as well, who have preferred not to cooperate with the Authority. The Authority has constructed normal value for all the producers and exporters in China PR by adopting consumption norms for major raw materials and by taking international prices of the raw materials, and known estimates for conversion cost during the relevant period. Selling, general & administrative costs and reasonable profit margin has been added to the cost of production so determined so as to arrive at a constructive normal value. The same quantum of normal value, as has been determined for CHS has been adopted for other exporters from China PR as well. The constructed normal value so arrived is mentioned in the dumping margin table.

Normal Value in Chinese Taipei

86. The Authority notes that none of the producers/exporters from Chinese Taipei has filed any response. As information about actual domestic sales price, information on exports to third country or cost of production in Chinese Taipei and other information as per the questionnaire have not been furnished by any producer/exporter in that country; the Authority has relied upon the best available information for determination of normal value. The petitioner has provided details of normal value in Chinese Taipei on the basis of estimates of cost of production in Taiwan. In the absence of any response from the exporters in the form and manner prescribed, the Authority has determined normal value in Chinese Taipei on the basis of estimates of cost of production in accordance Section 9A(1)c read with Rule 6(8) supra. It is noted in this regard that there is no publicly available information with regard to price of the subject goods in the exporting country. The normal value has been constructed by adopting consumption norms for major raw materials and international prices of the raw materials, and known estimates for conversion cost during the relevant period. Selling, general & administrative costs and reasonable profit margin has been added to the cost of production so determined so as to arrive at a constructive normal value. The normal value so determined is mentioned in the dumping margin table.

E.4 Export price

E.4.2.1 Export Price for Changhong Plastics (CHS)

87. Individual export price for Changhong Plastics in respect of product under consideration has been determined on the basis of questionnaire response filed by the exporter and as claimed by the responding producer and examined and accepted by the Authority. The export price is determined as weighted average price of exports of the product under consideration exported to India directly by them to Indian importers during the relevant period, on the basis of invoice wise details of exports made by the company. The exports made by Producer through another trader (M/s Richin Industrial (HK) Ltd) has not been

considered as the concerned trader did not file relevant information about their exports to India. It is noted that the information provided by the CHS contains sufficient information with regard to volume of exports expressed on weight basis. The export price has therefore been determined on the basis of average price per kg. of goods. Price adjustments have been claimed on account of expenses such as sea freight, inland freight, insurance, port expenses, bank charges, etc which have been verified and accepted. The export sales to India net of all the adjustments claimed by the exporter and accepted by the Authority is mentioned in the dumping margin table. With regard to comments made by M/s CHS after disclosure statement about inadequate disclosure of normal value , export price and dumping margin, it is noted that all calculations relating to CIF and Net export price and landed value have been disclosed to the exporter after the disclosure statement on confidential basis. Further the details of the normal value have not been disclosed as it is based on the best available information which includes the information submitted by the domestic industry on a confidential basis.

Export Price For Non-Cooperating Exporters In China PR

88. The Authority notes that IBIS information shows imports of *** MT of Cable Ties from China PR, whereas the volume of direct exports made by the responding exporter to Indian importers is *** MT. It is thus evident that significant exports have been made by other Chinese producers/exporters as well. In view of non cooperation from the other Chinese exporters, the export price in respect of non cooperating exporters has been determined as lower representative price reported by the responding exporter from China. After making adjustments on account of ocean freight, overseas insurance, inland freight, port expenses and bank charges, the ex-factory export price has been calculated and has been mentioned in the dumping margin table.

E.4.1 Export Price for Chinese Taipei

89. None of the producers/exporters of the product under consideration from Chinese Taipei have responded to the Designated Authority. In the absence of cooperation from the foreign producers/exporters, the export price from Taiwan has been determined on the basis of average import price reported in the Indian customs data. The Authority notes that the IBIS information shows imports of 428 MT of Cable Ties @ Rs. 269 per kg. from Chinese Taipei in the POI, which has been considered as CIF export price. After making adjustments on account of ocean freight, overseas insurance, inland freight, port expenses and bank charges on the basis of best available information in the absence of cooperation from the producers/exporters in Taiwan, the ex-factory export price has been calculated and is mentioned in the dumping margin table. With regard to comments made by M/s CHS after disclosure statement about export price determination for all exporters from Chinese Taipei, it is noted that the Authority has determined the export price on the basis of average import price reported in the Indian customs data in the absence of cooperation from the foreign producers/exporters which is consistent with earlier findings of the Authority.

E.5 Dumping Margin

90. The dumping margin has been established on the basis of a comparison of weighted average normal value with weighted average export price. The dumping margin for exports of the subject goods from the subject countries is assessed as given in the table below:

Dumping Margin Calculation:

Country	China PR		Chinese Taipei
Producer	CHS	Others	
	US \$/Kg	US \$/Kg	US \$/Kg
Normal value	***	***	***
Net Export Price	***	***	***
Dumping margin	***	***	***
Dumping margin %	40-45%	55-60%	45-50%

F.1 VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY

Submissions by domestic industry

91. The domestic industry has submitted that

- a. There are significant volumes of subject goods which are being imported at dumped prices in spite of anti dumping duty being in force.
- b. Existing measure are no longer sufficient to counteract the dumping which is causing injury.
- c. Export prices from the subject countries are at significantly dumped level.
- d. Production, sales and capacity utilization of the domestic industry has shown some improvement up to 2009-10 as a result of imposition of anti dumping duty on dumped imports. However, these parameters have registered a decline in the POI.

- e. Profit/loss has shown improvement up to 2009-10 as a result of imposition of anti dumping duty. Profit before interest & taxes, cash profits, return on investments have all shown a similar trend.
- f. Imports from the subject countries have been undercutting the prices of the domestic industry in the market to a significant degree.
- g. The reference prices of imports from the subject countries have remained significantly below the selling price of the domestic industry. Thus, the remedial effect of imposition of anti dumping duties on imports from the subject countries has been undermined.
- h. Employment levels with the domestic industry have not undergone any significant change.
- i. Inventory level with the domestic industry increased up to 2008-09 and then declined.
- j. The domestic industry has registered positive growth in terms of both volume and price parameters up to 2009-10; however, all these parameters have shown a decline in the POI. The domestic industry posted negative growth in terms of volume parameters, viz., sales volume, production and market share; as well as price parameters, viz., profit, return on capital employed and cash profits. Overall, the domestic industry faced negative growth.
- k. Considering the huge production capacities of the subject goods in the subject countries and their export orientation and the increasing demand for the subject goods in India, in all likelihood, review and enhancement in the quantum of anti dumping duty is necessary to curb the spurt in the dumped imports injuring the domestic industry.
- l. In the event anti dumping duties are not modified and enhanced, the domestic industry would face much bigger threat of imports from the subject countries.

Various parameters relating to domestic industry collectively and cumulatively establish that the domestic industry has suffered material injury.

Comments by domestic industry after the disclosure statement

92. The domestic industry has requested the Authority to confirm the product under consideration, like article and domestic industry examination. On the issue of normal value, export price and dumping margin, they have submitted that export price and separate dumping margin to CHS should not be granted in view of the incomplete response. Further, they have reiterated their earlier submissions made to the Authority on the issue of Injury and causal link. They have also submitted that it is speciality grade of the PUC that is giving them better realisation and they have suffered losses in the other grades (normal grade) which is a part of the PUC. On the issue of the NIP and NSR, it has been submitted that NIP and NSR comparison is immaterial in the midterm review and therefore the objective is extremely limited. They have requested the Authority to recommend the anti dumping duty on fixed price basis.

F.2 VIEWS OF M/s. CHANGHONG PLASTICS (CHS)

93. The views of M/s. Changhong Plastics in this regard are as follows:

- a. It has been submitted that paper book handed over during the oral hearing contained a further revised injury statement. The data as provided in the first two petitions was completely blank without providing any reasons for its confidentiality. Even in the updated petition, injury information is kept confidential excessively to the extent that even basic factors like demand and market share are impossible to discern.
- b. Selling price has increased in line with cost and is above cost even in the period of investigation. Market share as given in the Petition is contradictory to the Market share as reflected in Proforma IVA and it also differs significantly from the market share as has been provided in the Petition submitted in the Public Hearing. However, market share of imports from subject countries has gone down by nearly 50% while the sales of other domestic producers have gone up by over 400%.
- c. The decrease in share of subject countries clubbed with the increase in absolute numbers of imports shows that demand has grown at a higher rate than imports from subject countries which explains the surge in imports volumes. Further, since the domestic industry's total capacity has remained the same, it has not kept up with the growing demand whereby a drop in market share is inevitable.
- d. The imports from subject countries have increased but not in comparison to total consumption whereby there is no volume effect.
- e. Price and cost have moved in tandem over the injury period. It is the cost which affects price of the domestic industry not the price of imports. Therefore, the Petitioner's claim of there being a severe price effect on the domestic sales is not justified.
- f. The profit and return on capital employed for the Petitioner has increased substantially over the injury period. Petitioner has made steadily increasing profits over the injury period. Unless the Petitioner can establish a real and substantial threat from the subject imports in the event that duties are revoked, its averments are liable to be rejected.

Comments by exporter M/s CHS after the disclosure statement

94. In the comments to the disclosure statement, the M/s CHS has reiterated their submissions made earlier to the Authority. In particular, they have again raised the issues relating to confidentiality, inadequate disclosure of information relating to normal value, export price and dumping margin, inadequate time given to them to submit response to disclosure statement, and injury assessment of the domestic industry based on inadequate data. It has also been submitted by them that there is no injury to the domestic industry and any injury caused to the domestic industry is because of factors other than dumping. They have also raised that issues like changes in exchange rate, increased share of domestic competitors and over invoicing.

F.3 EXAMINATION BY THE AUTHORITY

95. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure-II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles..." In

considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to suppress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

96. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the rules supra.

97. The present investigations are midterm review investigations of anti dumping duties in force. Rules 23 provides that provisions of Rule 11 shall apply, mutatis mutandis basis in case of a review as well. The Authority has therefore determined injury to the domestic industry considering, mutatis mutandis, the provisions of Rule 11 read with Annexure II. Further, since anti dumping duties are in force on imports of the product under consideration, the Authority considers that the fact of existing anti dumping duties on the product on imports from China and Taiwan is required to be considered while examining injury to the domestic industry. The Authority has examined whether existing measure is not sufficient to counteract the dumping which is causing injury. For the purpose of current injury analysis, the Authority has examined the volume and price effects of the dumped imports on the domestic industry.

98. The submissions of the interested parties with regards to various parameters on injury to the domestic industry have been addressed by the Authority at appropriate basis in these findings. As regards submission by the exporters that the various injury parameters have undergone changes at different stages, the Authority notes that a petition for initiation of the mid-term review investigation was filed by the domestic industry on 28th March, 2011. The petition as filed by domestic industry was noted to be deficient on various parameters. The domestic industry was therefore requested to comply with the deficiencies and to furnish additional information / clarifications. The additional information / clarification along with the updated petition, which *prima-facia* substantiated the submissions of the domestic industry for initiation of the review investigation and it was filed by the domestic industry on 6th September, 2011. Further, after the initiation of the investigation, the Authority asked all the interested parties to respond to the notice of initiation and submit their responses in the form and manner of appropriate questionnaire. The domestic industry responded to the initiation and submitted the information in the form and manner of domestic industry questionnaire. The submissions made by the interested parties, in the present investigation, has been further verified by the Authority to the extent considered necessary. In the present findings, the Authority has made its recommendations based on the data as examined and verified. With regards to changes in the exchange rate subsequent to the POI and its effects on the current investigation as commented by M/s CHS, it is noted that the Authority has taken exchange rate as per its

consistent practice. Further, it has been contended that the Authority should not recommend continuation of ADD if NSR of the Domestic Industry is more than the NIP during the period of review. The Authority notes that although in the present case the NSR of the domestic industry is more than the NIP determined by the Authority, nevertheless NSR is not the only parameter to decide the imposition/ continuation of anti-dumping duties. Furthermore, the present investigation being a sunset review; the focus of the investigation is on likelihood of continuance /recurrence of dumping and injury and not actual injury.

99. The Authority has considered the views of the interested parties and addressed the same appropriately. The Authority has analyzed injury parameters in accordance with the rules. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has granted confidentiality, wherever warranted, and such information has been treated confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis.

Volume of Dumped Imports

100. With regard to volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports either in absolute terms or relative to production or consumption in India. Annexure II (ii) of the anti dumping rules provides as under:

"While examining the volume of dumped imports, the said authority shall consider whether there has been significant increase in the dumped imports either in absolute terms or relative in production or consumption in India"

Imports of the product under consideration were as follows over the injury period –

Period	UOM	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
China PR	MT	299	363	485	649
Chinese Taipei	MT	438	402	372	428
Imports from Subject countries	MT	737	765	857	1,077
Trend	%	100	104	116	146
Other Countries	MT	-	-	19	30
Total Imports	MT	737	765	876	1,107

101. It is noted that there has been significant increase in imports of the product in absolute terms even after imposition of anti dumping duty. Further, imports from third countries continue to hold small share in total imports of the subject goods in the Country.

Assessment of demand and market share

102. The Designated Authority has determined demand as the sum of domestic sales of the domestic industry, sales of other Indian producers and imports of the subject goods in India from all sources. The demand so assessed is shown in the following table. It is seen that demand of the product in the country has increased continuously over the injury period.

Period	UOM	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
Demand	MT	950	1,012	1,190	1,340
Trend	%	100	107	125	141
Imports from Subject countries	MT	737	765	857	1,077
Imports from other countries	MT	-	-	19	30
Sales of Domestic industry	MT	203	237	265	183
Sales of other Indian Producers	MT	10	10	50	50
Market Share					
Domestic industry	%	21%	23%	22%	14%
Other Indian Producers	%	1%	1%	4%	4%
Subject imports	%	78%	76%	72%	80%
Other imports	%	0%	0%	2%	2%

103. The Authority notes that whereas the imports from the subject countries have significantly increased over the injury investigation period, sales of the domestic industry increased up to 2009-10 and declined thereafter in POI. It is also noted that the market share of the domestic industry declined over the injury period; whereas that of the subject countries increased in the same period. Imports of the product under consideration from subject countries declined in relation to consumption in India till 2009-10, but increased significantly thereafter in POI. With regard to injury suffered by the domestic industry on account of increase in the market share of other producers as commented by M/s CHS after the disclosure statement, it is noted that the increase in the market share during the injury period has been only 3% whereas the market share of the domestic industry has declined by 7% during the same period.

Price Effect

104. With regard to the effect of the dumped imports on prices, Annexure II (ii) of the Rules lays down as follows:

"With regard to the effect of the dumped imports on prices as referred to in sub-rule (2) of rule 18 the Designated Authority shall consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increase which otherwise would have occurred to a significant degree."

105. With regard to the effect of the dumped imports on prices, it has been examined whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. A comparison for product concerned was made between the landed value of exported product and the average selling price of the domestic industry. Selling price of the domestic industry has been determined net of all rebates and taxes, at the same level of trade.

Price undercutting

106. The price undercutting margin is determined as below

Period	UOM	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
Net Selling Price	Rs./Kg	323	360	387	416
Landed Price – China PR	Rs./Kg	53	108	272	278
Landed Price – Chinese Taipei	Rs./Kg	108	154	288	287
Price Undercutting - China PR	Rs./Kg	270	252	115	139
Price Undercutting - Chinese Taipei	Rs./Kg	215	206	100	130
Price Undercutting % - China PR	%	84%	70%	30%	33%
Price Undercutting %- Chinese Taipai	%	67%	57%	26%	31%

107. In this regard, Authority notes as under:

- During the year 2007-08, there were no anti-dumping duties in force. Therefore, the landed value of imports from the subject countries was significantly below the net selling price of the domestic industry.
- The Anti-dumping duties on the subject goods from the subject countries were imposed by the Central Government with effect from 31st October, 2008 as reference price. With the imposition of anti dumping duty, there has been significant increase in the landed value of the subject goods from the subject countries (anti dumping duty was applicable only part of this period). Further, there was marginal improvement in the net selling price of the domestic industry. As a result the quantum of price undercutting from both the countries declined marginally.
- During the year 2009-10 (the period where the anti dumping duty was applicable for entire period) there was further significant increase in the landed value of subject goods from the subject countries. However, there is no significant change in the landed value during the year 2010-11.

d. Despite increase in the import price, the landed price of imports continues to be significantly below the net selling price of the domestic industry. Thus, the imports of subject goods from subject countries continue to cause price undercutting to the domestic industry.

Price suppression and depression

108. The cost and price movement of the domestic industry and the landed value of imports from the subject countries have been compared over the injury period to examine whether the effect of dumped imports is to depress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred to a significant degree.

Period	UOM	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
Cost of Production	Rs./Kg	322	334	346	386
<i>Trend</i>	%	100	104	107	120
Net Selling Price	Rs./Kg	323	360	387	416
<i>Trend</i>	%	100	112	120	129

109. The Authority notes from the above that the selling price of the subject goods produced by the domestic industry has increased by 20% during the injury period as against 29% increase in the selling prices of the subject goods produced by the domestic industry. However, the cost of production increased significantly during the POI as compared to the previous year while the selling price did not increase in the same proportion. Thus, for the injury period as a whole, it is noted that there does not appear to be any price suppression on account of imports of subject goods as a whole from the subject countries. As there is no decline in the selling price of the subject goods produced by the domestic industry, it is noted that the domestic industry has not suffered price depression during the injury period. It is however noted that the domestic industry had contended during the proceedings that they have produced and sold some volume of speciality grades of the product under consideration where there was no competition from dumped imports. The segregated information provided by the domestic industry showed that there was significant price difference in selling price of speciality grades and subject goods other than speciality grades and even when average selling price of subject goods produced by the domestic industry increased in POI as compared to preceding year, the net selling price of the subject goods excluding the speciality grade produced by the domestic industry has significantly declined. Further, it is also noted that despite increase in the costs of major raw materials, the landed price did not show proportionate increase during the POI as compared to preceding year.

Economic Parameters Relating to the Domestic Industry

110. Annexure II to the AD Rules requires that a determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of these imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the

dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. An examination of performance of the domestic industry reveals that the domestic industry has suffered material injury. However, the present investigations being a midterm review investigations, injury to the domestic industry is required to be assessed on mutatis mutandis basis. Further, the Authority has examined whether existing measure is sufficient to counteract the dumping which is causing injury. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed below.

Imports from Subject countries, Market share of imports and Demand:

111. The effects of the dumped imports on the domestic sales and the market shares of the domestic industry have been examined as below:

Period	UOM	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
Demand	MT	950	1,012	1,190	1,340
Trend	%	100	107	125	141
Imports from Subject countries	MT	737	765	857	1,077
Imports from other countries	MT	-	-	19	30
Sales of Domestic industry	MT	203	237	265	183
Sales of other Indian Producers	MT	10	10	50	50
Market Share					
Domestic industry	%	21%	23%	22%	14%
Other Indian Producers	%	1%	1%	4%	4%
Subject imports	%	78%	76%	72%	80%
Other imports	%	0%	0%	2%	2%

112. It is noted that it is noted that the market share of the domestic industry has declined significantly in the POI as compared to base year despite the increase in demand. The decline in the market share of domestic industry is considered significant.

Production, Capacity and Capacity Utilization, Sales

113. Information on capacity, production, capacity utilization and sales volumes of the domestic industry has been as under:-

Period	UOM	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
--------	-----	---------	---------	---------	---------

Capacity	MT	560	560	560	560
Production	MT	217	237	253	194
Plant capacity utilisation	Percent age	39%	43%	49%	42%
Domestic sales	MT	203	237	265	183

114. It is noted that the production, domestic sales and capacity utilization of the domestic industry improved upto 2009-10 and then declined in the POI. During examination and verification of the submissions made by the domestic industry, the Authority noted that the capacity of the domestic industry includes the capacities for manufacture of goods other than the PUC. In view of the same, the plant capacity utilisation has been mentioned.

115. It is noted that the volume of subject imports increased significantly in the POI. With the significant increase in the volume of dumped imports, sales volumes of the domestic industry declined significantly. Consequently, production and capacity utilisation of the domestic industry declined significantly in the POI. It is noted that partly due to idle capacities, some of the existing facilities / capacities have been utilized by the domestic industry for the manufacture of goods other than the PUC. The Authority further notes that the decline in the domestic sales, production and capacity utilisation has occurred in spite of increase in demand for the subject goods.

Profits, return on investment and cash flow

116. The Profits, return on investment and cash flow of the domestic industry has been examined as under:

Period	UOM	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
Profit/loss	Rs./Kg	***	***	***	***
	Indexed	100	4,278	6,743	4,937
Profit/loss	Rs.Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	5,000	8,970	4,769
Profit before interest & tax	Rs.Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	291	456	305
Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	215	277	213
Return on Investment	%	***	***	***	***
	Indexed	100	250	360	287

117. The Authority notes the following trends:

- There are divergent trends in the profits per unit of the domestic industry during the injury period. While there was significant improvement in the profits of the domestic industry from base year, the same declined significantly during the POI.
- Similarly, whereas in the initial periods of the injury period, the PBIT, cash profit and returns on capital employed (ROC) of the domestic industry showed noticeable improvements, there was decline in these parameters during the POI as compared to previous year. The decline in the returns on investments has been noted in spite of decline in the capital employed due to shifting of some of the assets for production of products other than the PUC.
- The domestic industry contended that they have produced and sold some volume of speciality grades of the product under consideration where there was no competition from dumped imports. The segregated information provided by the domestic industry showed that there was significant price difference in selling price of speciality grades and subject goods other than speciality grades and even when average selling price of subject goods produced by the domestic industry increased in POI as compared to preceding year, the net selling price of the subject goods excluding the speciality grade produced by the domestic industry has significantly declined. It is thus noted that the domestic industry would have suffered further deterioration in operating performance , if speciality grades sales are excluded.

Employment and wages

118. The Status of employment levels and wages of the domestic industry has been as under:

Period	UOM	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
Employment	Nos.	***	***	***	***
Trend	%	100	115	110	100
Wages	Rs. Lacs	***	***	***	***
Trend	%	100	178	282	241

119. The Authority notes that employment level with the domestic industry has almost remained stagnant whereas wages has shown a positive trend.

Productivity

120. The productivity of the domestic industry is given in the following table:

Productivity	UOM	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
Per Employee	MT	***	***	***	***
Trend	%	100	96	116	109
Per Day	MT	***	***	***	***
Trend	%	100	110	127	109

121. The Authority notes from above table that productivity per employee of the domestic industry declined in 2008-09, improved in 2009-10 and then declined again in POI.

Inventories

122. The Designated Authority has examined the inventory level of the domestic industry, which is given in the following table:-

Period	UOM	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
Average Inventory	MT	***	***	***	***
Trend	%	100	125	100	78

123. It is noted that the inventory levels of the domestic industry in 2008-09 and then declined in 2009-10 and POI. In spite of decline in POI, inventory remained at significant levels considering the production levels of the domestic industry.

Factors affecting domestic prices

124. Consideration of the import prices from subject countries and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of imported material from subject countries is below the selling price of the domestic industry, causing significant price undercutting in the Indian market. It is further noted that imports of subject goods from other countries are at much higher prices. There is no viable substitute to this product. It is also noted that demand for the subject goods was showing significant increase and this could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the major factors responsible for the domestic industry prices is the landed prices of the subject goods from subject countries and the cost of production of the domestic industry.

Ability to raise capital

125. It is noted that should the dumping from the present sources persist, ability of the domestic industry to raise capital would suffer.

Growth

126. On examination of various economic parameters of the domestic industry, the Authority notes that both the volume parameters such as production and sales, and price parameters of the domestic industry show improvement up to 2009-10 and then it shows decline despite anti dumping duty in force. Thus, the growth of the domestic industry is adverse on the volume parameters. On the price parameters, the growth is positive till 2009-10 and thereafter the growth is negative.

Period	UOM	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11
Growth Year by year					
Production	%		10	15	-14
Sales	%		17	7	-23
Profits	%		***	***	***
Market share	%		10	-5	-37
ROI	%		***	***	***

Causal Link

127. As per the AD Rules, the Designated Authority is, inter alia, required to examine any known factors other than dumped imports which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors must not be attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include, inter alia, the volume and prices of imports not sold at dumping prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. It was examined whether these other parameters listed under the Rules could have contributed to injury to the domestic industry.

Imports from other countries and other Known Factors

128. During the POI, more than 97% imports were from the subject countries of present investigation. Imports from third countries were negligible and could not have caused injury to the domestic industry.

Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

129. The data shows demand of the product under consideration has increased significantly over the injury period. Decline in demand cannot be considered as the factor that could have impacted the performance of the domestic industry. No significant change in the

pattern of consumption has come to the knowledge of the Authority, nor any interested party has made any submission in this regard.

Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

130. The subject goods are freely importable. No trade restrictive practices in the domestic market have been brought to the knowledge of the Authority. The domestic producers compete with each other and at the same time with the subject goods. The price of the domestic industry is influenced by the landed price of subject goods.

Development of technology

131. The investigation has not shown any significant development in technology which could have caused injury to the domestic industry.

Exports by the domestic industry

132. The exports of the domestic industry are insignificant. Therefore, exports could not have affected its overall performance.

Productivity

133. The Authority notes that productivity of the domestic industry, when measured in terms of production per employee, declined in 2008-09, improved in 2009-10 and then declined again in POI. However, changes in the productivity have not been so significant as to have resulted in so significant changes in the profitability of the domestic industry. Changes in the productivity of the domestic industry could not be a cause of injury to the domestic industry.

Parameters establishing causal link

134. The Authority notes that while listed known other factors do not show that injury to the domestic industry has been caused by these factors, following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports:

- a. The landed prices of imports were lower than the selling price of the domestic industry. As a result of price undercutting, the consumers have resorted to higher volume of imports, thus leading to increase in imports in absolute terms.
- b. Market share of the domestic industry declined in POI and that of subject imports increased as a result of increase in imports far disproportionate to the increase in demand.
- c. Imports were causing significant price undercutting in the domestic market. As a consequence, sales volumes of the domestic industry declined in a situation where the demand for the product increased.
- d. Decline in sales volumes and market share of the domestic industry resulted in decline in production of the domestic industry in the POI. Consequently, capacity utilization of the domestic industry also declined.

e. Landed price of imports were undercutting the prices of the domestic industry. As a result of the price undercutting and significant volume of imports from the subject countries, the market share and overall profitability of the domestic industry has declined.

135. The Authority therefore, concludes that the subject dumped imports have caused continued injury to the domestic industry within the meaning of Rule 11 of Anti-dumping Rules and Article 3.5 of Agreement of Anti- dumping.

136. The Non-injurious Price for the subject goods has been compared with the landed value of the exports of subject goods from both the subject countries for determination of injury margin. The injury margin has been worked out as under:

Country	China PR		Chinese Taipei
Producer	Changhong Plastics	Others	
	US \$/Kg	US \$/Kg	US \$/Kg
CIF	***	***	***
landed value	***	***	***
NIP	***	***	***
Injury Margin	***	***	***
Injury Margin %	***	***	***
Injury Margin range %	25-35%	35-45%	25-30%

Lasting nature of the changed circumstances and likelihood of continuation of dumping and injury

E.6.1 Views of the Domestic industry

137. The domestic industry has submitted that dumping & consequent injury to the domestic industry is likely in the event of continuation of the anti dumping duty in its present form

138. It has been submitted that the present and potential difference in the prices of imported product from subject countries and domestic like product product is very significant and is therefore likely to increase demand for imports;

139. Significant price difference and consequent potential increase in imports is having significant depressing effect on domestic prices;

140. Subject exporters are holding significant freely disposable capacity indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports.

141. Significant increase in volume of imports between original POI and current POI itself clearly establishes likelihood of continued dumping and consequent injury to the domestic industry.

142. The high market Share held by the subject countries in the Indian market and increase in the market share of the domestic industry clearly establishes likelihood of continuation of dumping.

143. Export orientation of producers and exporters in subject countries is quite high, which shows that the exporters are likely to continue to export at dumping prices.

E.6.2 Views of M/s. Changhong Plastics

144. Review has been initiated on the basis of insufficient information to justify changed circumstances as required under Rule 23. First two petitions did not provide any information which showed change in the circumstances. It is the third petition filed, which provided the information as regards the factors for changed circumstances.

145. Evidence such as price lists for domestic sales, actual invoices, as provided in the guidelines has not been provided. "Positive information" as mentioned under Rule 23 must necessarily be qualified with a demonstration of changed circumstances.

146. There has been a significant decline in the dumping margin and injury margin as compared to the original investigation and the duty as levied by the Hon'ble Designated Authority justifies the desired effect of imposition of duties.

E.6.3 Examination by the Authority

147. In accordance with the practice of the Authority, it was examined whether changed circumstances could be said to be of lasting nature or if there would be chances of intensified dumping and injury if anti dumping duty is not modified. It was noted after examination that the domestic industry is suffering material injury due to continued dumped imports of subject goods from the subject countries despite imposition of anti dumping duty. While the domestic industry has contended that the significant increase in import price with imposition of anti dumping duty is artificial, it is noted that even after considering significant increase in the import price, the dumping margin found in the present investigations is quite significant. Thus dumped imports of subject goods from both the subject countries remained significant during the POI. The volume of imports increased significantly after the previous investigation period. The current level of price

undercutting is quite significant. The domestic industry has lost significant sales volumes even after imposition of anti dumping duty, whereas it was expected that imposition of anti dumping duty shall provide level playing field to the domestic industry. It is also noted that if the sales of speciality grades are excluded (import data shows no imports of such grades), the domestic industry would have suffered deterioration in the operating performance. In view of the above, it is noted that changed circumstances are of lasting nature.

Conclusions on likelihood of continuation of dumping and injury

The Authority concludes on likelihood of continuation of dumping and injury –

148. There has been consistent increase in the demand for the subject goods during the injury period.
149. The volume of dumped imports of subject goods from the subject countries has witnessed significant increase during the injury period. Further, the share of dumped imports of the subject goods, in the total demand, during the injury period has increased while the share of domestic industry has declined during the same time. The decline in the market share of the domestic industry during the injury period is considered significant.
150. The dumped imports are significantly undercutting the prices of domestic industry;
151. The landed price of imports of subject goods is significantly below the cost of production and non injurious price of the domestic industry;
152. Performance of the domestic industry has deteriorated in respect of production, capacity utilisation and sales. The domestic industry is faced with significant unutilized capacities;
153. The market share of the imports has increased even after imposition of anti dumping duty and that of the domestic industry has declined.
154. With the imposition of Anti-Dumping duties, as reference price, with effect from 31st October, 2008 there was noticeable change (increase) in the CIF price and the landed values of the subject goods from the subject countries. However, the landed prices continued to be significantly lower than the net selling price of the domestic industry resulting in significant amount of price undercutting. Further, it is noted that if the sales of speciality grades are excluded (import data shows no imports of such grades), the domestic industry would have suffered deterioration in the operating performance. The imports of subject goods from subject countries not only continued at dumping prices but also its volumes increased.
155. It is noted that the circumstances, which were prevalent at the time of original investigations, are very much in existence even till date. There has been no significant change in the circumstances, which could suggest that the dumping would not intensify at the aggravated level in the event of cessation of anti dumping duties.
156. Considering significant production capacities of the subject goods in subject countries and their export orientation and the increasing demand for the subject goods in India, in

all likelihood any reduction or revocation of the anti-dumping duty may lead to spurt in the dumped imports injuring the domestic industry.

157. Positive price undercutting and underselling without considering the anti-dumping duties in force indicate the likely adverse price effect of dumped imports on domestic industry in the event of expiry of the anti dumping duty in force.

158. It is thus noted that in the event of revocation of anti dumping duties, the domestic industry would face continued threat of dumped imports from the subject countries.

Indian Industry interest.

159. The purpose of anti dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.

160. The Authority recognizes that the imposition of anti dumping duties might affect the price levels of the products manufactured using subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti dumping measures. On the contrary, imposition of anti dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of subject goods.

161. The Authority notes that the imposition of anti dumping measures would not restrict imports from subject countries in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

Recommendations

162. Having regard to the legal provisions, contentions raised, information provided by interested parties, submissions made by interested parties and facts available before the Authority as recorded in the above findings and on the basis of above analysis of the state of continuation of dumping and consequent injury to domestic industry and likelihood of continuation of dumping and injury, the Authority concludes that

- a. The subject goods from subject countries are entering the Indian market at dumped prices and dumping margin is significant. It is also seen that the subject goods continue to be exported to India at dumped prices despite the existing anti dumping duties and there is a likelihood of its continuation should the existing antidumping duties are withdrawn.
- b. The price undercutting and price underselling from subject countries, without the anti dumping duties, are significant. The Domestic Industry continues to suffer material injury on account of continued dumping of subject goods from subject countries during

the period of investigation and there is likelihood of deterioration in the operating performance of domestic industry in the event of cessation of anti dumping duties.

c. The anti dumping duties are required to be continued and modified.

163. The Authority considers it necessary to impose definitive anti dumping duty on all imports of subject goods from subject countries in order to remove the injury to the domestic industry. The margin of dumping determined by the Authority is indicated in the paragraphs above. The Authority proposes to recommend the amount of anti dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. For the purpose of determining injury margin, the landed value of imports is proposed to be compared with the non-injurious price of the domestic industry determined for the period of investigation.

164. With regard to duty structure, keeping into account factual matrix of the case and having regard to contentions raised, information provided and submissions made by interested parties, it is deemed appropriate to recommend fixed form of anti dumping duty. Accordingly, the Authority considers it appropriate to recommend to the Central government for imposition of definitive anti dumping duties on all types of cable ties falling under Customs heading 39 originating in or exported from subject countries. The Anti-Dumping duty shall be the amount mentioned in column 9 for the subject goods originating in or exported from the countries mentioned below: -

SN	Sub- heading	Description of goods	Spec ifi- cat ion	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Amo unt	Unit	Curr ency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1	3926 90	Cable ties	Any	People's Republic of China	People's Republic of China	M/s Changho ng Plastics Group Co., Ltd	M/s Changhon g Plastics Group Co., Ltd	2.21	per Kg	US\$
2	3926 90	Cable ties	Any	People's Republic of China	Any	M/s Changho ng Plastics Group Co., Ltd	Any	2.81	Per Kg	US\$
3	3926 90	Cable ties	Any	People's Republic of China	Any	Any other than M/s Changho	Any	2.81	Per Kg	US\$

						ng Plastics Group Co., Ltd				
4	3926 90	Cable ties	Any	Any Country other than People's Republic of China and Taiwan	People's Republic of China	Any	Any	2.81	Per Kg	US\$
5	3926 90	Cable ties	Any	Taiwan	Any	Any	Any	2.35	Per Kg	US\$
6	3926 90	Cable ties	Any	Any Country other than Taiwan and People's Republic of China	Taiwan	Any	Any	2.35	Per Kg	US\$

165. An appeal against the order of the Central Government shall lie before the Customs Excise and Service Tax Appellate tribunal in accordance with the Act.

166. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the duty, as recommended herein, from time to time, as per the relevant provisions of the Act, and public notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party within the time limit stipulated for this purpose.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority